WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

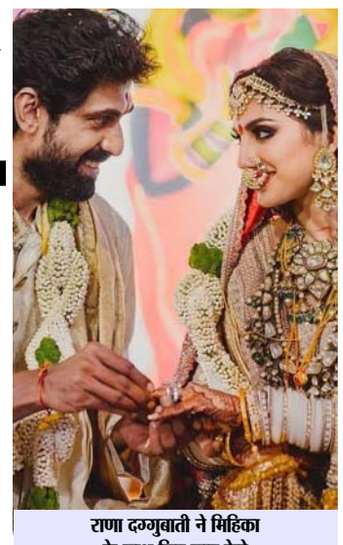

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 232 | लखनऊ, सोमवार, 10 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

राणा दग्गुबाती ने मिहिका के साथ लिए सात फेरे

कोरोना संकट के बीच किसानों को पीएम मोदी की सौगात, 1 लाख करोड़ की योजना लॉन्च

21वीं सदी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था बदलेगीः प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आशा व्यक्त की कि एक लाख करोड़ रुपये के कृषि अवसंरचना कोष से गांव में कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना होगी जिससे छोटे किसान आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। श्री मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि अवसंरचना कोष की शुरुआत करते हुए कहा कि इस कोष की सहायता से गांव में किसान उत्पादक संगठन और किसान समूह गोदाम , कोल्ड स्टोरेज और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना कर सकेंगे जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा।

इससे किसान उद्यमी बन सकेंगे। देश में 10 हजार नए किसान उत्पादक संगठन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक ताजे फल , सब्जी ,दूध और मछली पहुंचाने के लिए किसान रेल की शुरुआत की गई है। पूरी तरह से वातानुकूलित यह रेल गाड़ी महाराष्ट्र से बिहार के बीच चल रही है । इससे दोनों राज्यो के अलावा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के किसानों को भी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए समस्या पैदा करने वाले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है और कृषि को उद्योग जैसी सुविधा देने का प्रयास किया गया है । उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तु कानून का बाबुओं ने दुरुपयोग किया और इससे व्यापारियों को डराया गया ।यह कानून जिस समय बना था उस समय देश में अनाज की कमी थी लेकिन आज अनाज का भारी भण्डार है। श्री मोदी ने कहा कि मंडी कानून को समाप्त कर किसानों को कहीं भी अनाज बेचने की छूट दी गई है और किसानों को उद्योगों से सीधी साझेदारी करने के लिए कानून में बदलाव किए गए हैं । उन्होंने आज ही पी एम किसान योजना के तहत साढ़े आठ करोड़ किसानों के बैंक खाते में 17000 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए। श्री मोदी ने कहा कि कोविड 19 संकट के दौर में भी किसानों ने देश में खाने पीने की वस्तुओं की कमी नहीं होने दी। किसानों की तपस्या के कारण 80 करोड़ लोगों को आठ माह तक मुफ्त

देश में 10 हजार नए किसान उत्पादक संगठन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक ताजे फल , सब्जी ,दूध और मछली पहुंचाने के लिए किसान रेल की शुरुआत की गई है।

राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान कृषि कार्य की अनुमति दी गयी और इस दौरान ही फसलों की कटाई तथा बुआई का काम हुआ।

आंध्र के कोविड सेंटर में लगी आग 10 मरीजों की मौत

विजयवाड़ा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा के स्वर्ण पैलेस होटल स्थित कोविड केयर सेंटर में रविवार सुबह आग लग जाने से अब तक 10 मरीजों की मौत हो गयी और दो मरीज अभी भी लापता हैं। इस बीच,मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इस हादसे को लेकर उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी तथा पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पुलिस आयुक्त बी श्रीनिवासुलु ने मीडिया को बताया कि होटल स्थित क्वारंटीन केंद्र में कुल 30 मरीज भर्ती थे। इनमें से 10 मरीजों की मौत हो गयी जबकि 18 अन्य मरीजों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इसके अलावा दो अन्य मरीजों का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। उन्होंने बताया कि मृतक मरीजों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भेजा गया है।

आत्मनिर्भरता की ओर एक और कदम, 101 रक्षा उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रक्षा उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने और स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय ने रविवार को 101 वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्रालय ने 2020-21 के कैपिटल प्रोक्योरमेंट बजट में घरेलू और विदेशी कैपिटल प्रोक्योरमेंट के लिए भी बंटवारा कर दिया है। साथ ही चालू वित्त वर्ष में घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए लगभग 52,000 करोड़ रुपये का एक अलग बजट बनाया गया है। 101 रक्षा उपकरणों के आयात पर लगे इस नए प्रतिबंध के चलते अनुमान है कि अगले पांच से सात वर्षों के भीतर घरेलू उद्योग में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के अनुबंध किए जाएंगे। अनुमानित तौर पर इसमें से सेना और वायु सेना के लिए लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये के उपकरण और 1.4 लाख करोड़ रुपये के उपकरण नौसेना के लिए होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, रक्षा मंत्रालय अब आत्मनिर्भर भारत की पहल में एक बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। मंत्रालय रक्षा उपकरणों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए 101 वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगाएगा।

यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के लिए किए गए स्पष्ट आह्वान के बाद किया गया है। बता दें कि 12 मई को मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन आत्मनिर्भर भारत के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, ष्सेना, वायु सेना, नौसेना, डीआरडीओ, सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों, आयुध निर्माण बोर्ड (ओएफबी) और निजी उद्योग के साथ वर्तमान और भविष्य की क्षमताओं का आंकलन करने के लिए सभी हितधारकों के साथ कई दौर की सलाह के बाद यह सूची मंत्रालय ने तैयार की थी। इसमें भारत की गोला-बारूद,हथियारों,प्लेटफार्मों,उपकरणों की मैन्यूफेक्चरिंग क्षमता का आंकलन किया गया था। इन 101 प्रतिबंधित उपकरणों की सूची में हाईटेक हथियार जैसे आर्टिलरी गन्स, असॉल्ट राइफलें, कोरवेट्स, सोनार सिस्टम, परिवहन विमान, हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच), रडार समेत रक्षा सेवाओं की कई अन्य जरूरी वस्तुएं शामिल हैं। इस सूची में पहियों वाले बख्तरबंद लड़ाकू वाहन (एएफवी), पनडुब्बियां आदि भी शामिल हैं। आयात पर यह प्रतिबंध 2020 से 2024 के बीच उत्तरोत्तर स्तर पर लागू करने की योजना है।

मोदी की गलत नीतियों से 14 करोड़ युवा हुए बेरोजगारः राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि उनकी गलत नीतियों के कारण देश में 14 करोड़ युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। श्री गांधी ने रविवार को यहां जारी एक वीडियो संदेश में कहा, ÷जब श्री मोदी प्रधानमंत्री बने थे, उन्होंने देश के युवाओं से वायदा किया था कि वे दो करोड़ युवाओं को हर साल रोजगार दिलवाएंगे। बहुत बड़ा सपना दिया, सच्चाई निकली, 14 करोड़ लोगों को उनकी नीतियों ने बेरोजगार बना दिया है। उन्होंने कहा कि यह सब श्री मोदी की गलत नीतियों नोटबंदी, गलत जीएसटी और फिर लॉकडाउन में उनकी नीति के कारण हुआ। उनके इन तीन कदमों ने देश के

ढांचे को खत्म कर दिया है, नष्ट कर दिया है और अब सच्चाई ये है कि हिंदुस्तान अपने युवाओं को रोजगार नहीं दे सकता है इसीलिए युवक कांग्रेस जमीन पर उतर रही है और इस मुद्दे को वह हर कस्बे में, सड़कों पर उठाए और पूरे दम से उठाती रहे। कांग्रेस नेता ने कहा कि 'रोजगार दो प्रोग्राम' से आप सब जुड़िए और यूथ कांग्रेस के साथ मिलकर देश के युवाओं को रोजगार दिलवाइए। मैं यूथ कांग्रेस को बधाई देना चाहता हूं, आपका स्थापना दिवस है, लगे रहिए, हिंदुस्तान के युवाओं के लिए लड़िए।

देश और दुनिया से जोड़े जाएंगे हर जिले के मशहूर उत्पादः नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रविवार को देश में कृषि से जुड़ी सुविधाएं तैयार करने के लिए एक लाख करोड़ रुपए के विशेष फंड को लॉन्च किए जाने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा है कि इससे हर जिले के मशहूर उत्पादों को देश और दुनिया से जोड़ा जा सकेगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा, कृषि से जुड़ी सुविधाएं तैयार करने के लिए एक लाख करोड़ का विशेष फंड लॉन्च करने तथा साढ़े 8 करोड़ किसान परिवारों के खातों में 17,000 करोड़ रुपए ट्रांसफर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एक लाख करोड़ का विशेष फंड जारी करते हुए कहा कि अब आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत किसान और खेती से जुड़े इन सारे सवालों के समाधान ढूंढे जा रहे हैं।

एक दिन में रिकॉर्ड 64 हजार से अधिक केस, 53,879 रोगमुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक 64 हजार से अधिक नये मामले सामने आये वहीं पहली बार 53 हजार से अधिक लोगों ने इस संक्रमण को मात दी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पहली बार एक दिन में सर्वाधिक 64,399 संक्रमण के मामले आने से इनकी संख्या 21,53,011 हो गयी है। देश में तीन दिन से लगातार संक्रमण के 61 हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को 62,538 और शनिवार को 61,537 नये मामले सामने आये। राहत की बात यह है कि इस दौरान एक दिन में सबसे ज्यादा 53,879 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी

14,80,885 लाख पर पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान 861 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,379 पर पहुंच गयी है। मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने वालों की दर 68.78 प्रतिशत पर पहुंच गयी है और मृत्यु दर 2.01 प्रतिशत है। स्वस्थ होने वालों की दर में लगातार हो रही वृद्धि से संक्रमण के नये मामलों में बढ़ोतरी के बावजूद सक्रिय मामले उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं। उसका एक उदाहरण महाराष्ट्र है जहां संक्रमितों की कुल संख्या पांच लाख के करीब हो गयी है लेकिन पिछले कई दिनों से सक्रिय मामले 1.47 लाख के आसपास ही बने हुए हैं।

दिल्ली में फिर बेकाबू हुआ कोरोना

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लगातार जीत रहा है, लेकिन कुछ दिनों से यहां कोरोना के नये मामलों में फिर से तेजी देखी जा रहा है. पिछले 24 घंटे में दिल्ली में 1404 नये केस सामने आये हैं और 16 लोगों की मौत भी हो गयी है. जबकि 1130 लोग ठीक होकर घर लौट गये हैं. 1404 नये मामलों के साथ दिल्ली में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 144127 हो गयी है, जिसमें ठीक होने वालों की संख्या 129362 है. इस तरह अब देश की राजधानी में कोरोना के एक्टीव केस केवल 10667 रह गये हैं. इधर दिल्ली में कोरोना की वापसी के लिए स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बाहरियों को जिम्मेदार ठहराया है. जैन ने कहा कुछ रिपोर्ट्स हैं कि दिल्ली में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं. इसकी वजह ये है कि दिल्ली से बाहर के बहुत सारे लोग यहां आकर टेस्ट करा रहे हैं।

ई-संजीवनी और ई-संजीवनी ओपीडी के जरिये डेढ़ लाख से अधिक टेली-परामर्श दिये गये

नयी दिल्ली, एजेंसी। बिना अस्पताल गये मरीजों को घर बैठे चिकित्सीय परामर्श देने के लिए नवंबर 2019 में शुरू की गयी राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा ई-संजीवनी और ई-संजीवनी ओपीडी के जरिये अब तक डेढ़ लाख से अधिक 1,58,000 टेली परामर्श दिये गये हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की अगुवाई में ई-संजीवनी और ई-संजीवनी ओपीडी प्लेटफॉर्म को लेकर राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे और तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री डॉ सी विजय भास्कर ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि टेली मेडिसिन स्वास्थ्य सेवाओं की एक उभरती हुयी विधा है, जिससे हम तेज गति से सुदूर क्षेत्रों में भी बेहतर चिकित्सकीय परामर्श को पहुंचा पा रहे हैं। छोटी से अवधि में ये सेवायें 23 राज्यों में शुरू हो गयी हैं और अन्य राज्य भी इसे लागू करने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने टेली परामर्श के आंकड़े के डेढ़ लाख के पार होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा,卐 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने आयुष्मान भारत हेल्थ एवं वेलनेस केंद्रों में ब्रॉडबैंड और मोबाइल फोन के जरिये डिजिटल भारत के सपने को साकार करने की कोशिश की। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग और डॉक्टरों तथा विशेषज्ञों की निस्वार्थ भावना से हम टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म के जरिये स्वास्थ्य सेवायें देने में सक्षम हुए हैं। इससे कोरोना महामारी के दौरान हमारे स्वास्थ्य संबंधी ढांचे को मजबूती मिली है।

हर व्यक्ति को विकास का अवसर देकर राष्ट्र नये स्तर पर पहुंचेगाः वेंकैया

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक संगठन को उसकी अंतर्निहित क्षमता की पूर्ण अभिव्यक्ति का अवसर देने का आह्वान करते हुए कहा है कि इससे हमारा देश उन्नति के एक नये स्तर पर पहुंच सकता है। श्री नायडू ने '09 अगस्त भारत अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन' की 78वीं वर्षगांठ पर सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट फेसबुक पर लिखे एक लेख में कहा है कि इसके लिए हर नागरिक को सशक्त और सक्षम बनाना जरूरी है जिससे उसे पर्याप्त अवसर मिल सकें, उसे नवाचार के लिए परिवेश मिल सके और वह उन अवसरों का लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि भारत ने 15 अगस्त, 1947 को आजादी हासिल की, वह न केवल औपनिवेशिक शासन की बेड़ियों से मुक्त हुआ, बल्कि इसने गजनवी के आक्रमणों

के बाद से लगभग 1000 साल के काले युग की दमन और शोषण की विरासत को भी पीछे छोड़ दिया है। लंबे स्वतंत्रता संग्राम और संविधान ने नए भारत और उसके पुनर्निर्माण के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से निर्धारित कर दिया है। स्वतंत्र भारत के ये लक्ष्य महात्मा गांधी और स्वतंत्रता संग्राम के अन्य नायकों द्वारा निर्धारित किए गए थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से, भारतीयों का रहन-सहन निश्चित रूप से बेहतर हुआ है लेकिन ये पर्याप्त नहीं है। अपनी श्रेष्ठ और स्वर्णिम नियति तक पहुंचने के लिए अभी बहुत लंबा सफर तय करना है और प्रयास करना है। संविधान के 'लक्ष्यों और उद्देश्यों के संकल्प' पर संविधान सभा में बोलते हुए, तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि प्रत्येक भारतीय को अपनी क्षमता के अनुसार खुद को विकसित करने का पूर्ण अवसर देना ही हमारा लक्ष्य है। श्री नायडू ने कहा कि पारस्परिक सौहार्द के अभाव, उद्देश्यों और प्रयासों में कमी के कारण भारत को लंबे समय तक अधीनता और शोषण का सामना करना पड़ा है। इससे सीख लेते हुए, सभी भारतीयों को अपने-अपने सांस्कृतिक मूल्यों और संस्कारों का पालन करते हुए भी, भारतीयता की हमारी साझा भावना से बंधने की आवश्यकता है। यह विभिन्न विविधताओं से ऊपर उठ कर राष्ट्रीयता की भावना को जागृत करें उसे सशक्त सबल करें। विभाजित भारत, किसी शत्रु के लिए एक आसान लक्ष्य बन सकता है।

तिरंगा मास्क पहना, तो जायेंगे जेल झेलना होगा राष्ट्रद्रोह का मुकदमा

रांची, एजेंसी। तिरंगा मास्क बेचना और पहनना दोनों राष्ट्रद्रोह माना जायेगा। तिरंगा मास्क पहनने वालों और इसकी बिक्री करने वालों के खिलाफराष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज होगा। ऐसे लोगों को तीन साल के लिए जेल जाना पड़ेगा और जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। झारखंड की राजधानी रांची में जिला प्रशासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। रांची के अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) अखिलेश सिन्हा ने रविवार को तिरंगा मास्क की बिक्री पर रोक के आदेश दिये हैं। इसमें कहा गया है कि तिरंगा मास्क की बिक्री पर रोक के बावजूद किसी ने ऐसा मास्क बेचने की कोशिश की, तो इसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान माना जायेगा और ऐसा करने वालों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जायेगी। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए केंद्र,राज्य सरकार द्वारा आम लोगों को मास्क का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। सरकार के निर्देश के आलोक में आम लोग मास्क का उपयोग कर रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग डिजाइनर मास्क भी पहन रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए मास्क बनाने वाली कंपनियों ने तिरंगा मास्क बाजार में उतारकर इसे धड़ल्ले से बेचना शुरू कर दिया है। रांची जिला प्रशासन ने ऐसे मास्क की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) अखिलेश सिन्हा ने अपने आदेश में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), अंचल अधिकारी (सीओ) और थाना प्रभारियों से कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में नजर रखेंगे। यदि कोई तिरंगा मास्क की बिक्री करते या इसे पहनकर घूमते दिख जाये, तो उसके खिलाफतुरंत विधिसम्मत कार्रवाई करेंगे। श्री सिन्हा ने कहा है कि आम लोग कुछ दिनों तक मास्क का उपयोग करने के बाद इसे फेंक देते हैं। तिरंगा मास्क का इस्तेमाल करके उसे फेंक देना राष्ट्रीय ध्वज का अपमान होगा। इसलिए प्रशासन की सभी लोगों से अपील है कि वे ऐसे मास्क की खरीदारी न करें। न ही उसका इस्तेमाल करें।

सशस्त्र सेनाओं के लिए 101 साजोसामान के आयात पर रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर सेना बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र सेनाओं के उपयोग के 101 हथियारों, उपकरणों एवं साजोसामान के आयात पर रोक लगाने का फैसला किया है और कहा है कि इन सामानों की आपूर्ति स्वदेशी कारखानों से ही की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां यह घोषणा की। श्री सिंह ने ट्विटर पर बताया कि रक्षा मंत्रालय आत्मनिर्भर भारत की पहल को बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मंत्रालय 101 वस्तुओं के आयात पर एक निश्चित समय सीमा के बाद प्रतिबंध लगाएगा ताकि स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बल मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा, सिस्टम, जनसांख्यिकी

और मांग के पांच स्तंभों पर आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया है और इसके लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की भी घोषणा की है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इससे प्रेरणा लेते हुए रक्षा मंत्रालय ने 101 वस्तुओं की एक सूची तैयार की है जिनके आयात पर एक निश्चित समयसीमा के बाद प्रतिबंध लग जाएगा। यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से भारतीय रक्षा उद्योग के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे। वे सशस्त्र सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन 101 वस्तुओं का अपनी डिजाइन एवं तकनीक अथवा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा प्रदत्त डिजाइन एवं तकनीक के आधार पर विर्निर्माण कर सकेंगे। श्री सिंह ने बताया कि आयात पर प्रतिबंध की समय सीमा अलग-अलग वस्तुओं पर अलग-अलग होगी और यह 2020 से 2024 के बीच होगी। हमारा उद्देश्य भारतीय रक्षा उद्योग को सशस्त्र सेनाओं की भावी आवश्यकताओं से अवगत कराना है ताकि वे स्वदेशीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहतर तैयारी कर सकें।

कोरोना बचाव के प्रति अग्रिम रणनीति से ही कोविड पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता हैः मुख्यमंत्री

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना बचाव के प्रति अग्रिम रणनीति बनाकर कोविड-19 पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। उन्होने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के सम्बन्ध में लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, बरेली, गोरखपुर, झांसी, वाराणसी में विशेष सतर्कता बरती जाए। कोविड-19 संक्रमण के सम्बन्ध में ज्यादा से ज्यादा टेस्ट किए जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एल-2 तथा एल-3 के कोविड बेड्स की संख्या बढ़ाई जाए,मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक मे अनलॉक व्यवस्था की

समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड अस्पतालों में भर्ती मरीजों की स्थिति की मॉनिटरिंग के लिए सीनियर डॉक्टर लगातार राउण्ड पर रहें। इसके अलावा कॉन्टेक्ट टेऊसिंग प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में एल-3 स्तर का अस्पताल शीघ्र बनाया जाए। जनपद शामली तथा बरेली में डेडिकेटेड कोविड चिकित्सालय 16 अगस्त तक क्रियाशील हो जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना से प्रभावित लोगों को अस्पताल पहुंचाने के लिए फौरन एम्बुलेंस उपलब्ध हो, इसके लिए कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर्स को प्रभावी बनाया जाए।

उन्होंने कन्ट्रोल सेन्टर्स के प्रभावी होने पर मरीज को समय पर इलाज उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अस्पतालों की व्यवस्थाओं और सुविधाओं को त्वरित और बेहतर बनाया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अब तक प्रदेश में 31 लाख 18 हजार 567 कोविड-19 के टेस्ट किए जा चुके हैं। उन्हें यह भी अवगत कराया गया कि शनिवार व रविवार के स्वच्छता व सेनिटाइजेशन के कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा शिक्षा विभाग को निर्देशित किया है कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में आई0सी0यू0 के बेड्स की संख्या दोगुनी कर ली जाए। इसी तरह स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि वे अपने सभी जिला अस्पतालों में आई0सी0यू0 के बेड्स बढ़ाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ व जलमग्न क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को समय से राहत पहुंचायी जाए। साथ ही, इन स्थानों पर नाव व सुरक्षा आदि की दृष्टि से पुख्ता इन्तजाम किए जाएं। उन्होंने जनपद पीलीभीत व आजमगढ़ की गौशालाओं में सभी आवश्यक इन्तजाम सुनिश्चित किए जाएं तथा हरे चारे की व्यवस्था की जाए।

अनियमितताओं के बीच अमीनाबाद इण्टर कालेज में संपन्न हुयी बीएड प्रवेश परीक्षा

भगवान के ही भरोसे हो गयी बी0एड0 प्रवेश परीक्षा, अन्य परीक्षाओं के खुले रास्ते

लखनऊ, संवाददाता। मात्र सात सौ विद्यार्थियों के लिये संयुक्त बी0एड0 प्रवेश परीक्षा के लिये केन्द्र बनायें गये अमीनाबाद इण्टर कालेज में अनेक अनिमितताओं के साथ प्रवेश परीक्षा संपन्न हुयी। नगर निगम द्वारा संचालित इस विद्यालय में लखनऊ विश्व विद्यालय और जिला प्रशासन की किसी गाइडलाइन का पालन होता नहीं दिखायी दिया। अमीनाबाद इण्टर कालेज ने प्रवेश परीक्षा के निर्धारित किसी भी मानकों का पालन नहीं किया। नियमानुसार एक सीट पर एक ही प्रतिभागी को किनारे बैठाने के बजाय चार फीट की बेंच पर दो विद्यार्थियों को बैठाया साथ ही प्रश्न-पत्र पुस्तिका भी एक ही सीरीज की बांट दी। जिससे लोगों ने आपस में खूब नकल भी की।प्रवेश परीक्षा के नियमों के अनुसार किसी भी हालत में एक कमरे में दो कक्ष निरीक्षक होने चाहिये परन्तु यहां पर एक कक्ष में तीस बच्चों पर एक ही कक्ष निरीक्षक से काम चलाया गया जिससें एक कक्ष निरीक्षक का पैसा बचा। परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी आपस में एक दूसरे से बातचीत करते हुये और उत्तर पूछते दिखे। उनको रोकने वाला कोई नहीं दिखा। यह हाल सभी कक्षों का रहा। इसी प्रकार मोबाइल जमा करने का प्रबंध था परन्तु परीक्षा कक्ष में कई परीक्षार्थियों के पास मोबाइल मौजूद था। इसको चेक करने के लिये कोई नहीं था। एक कक्ष निरीक्षक के चलते इसकी चेकिग संभव नहीं थी। नियमानुसार परीक्षार्थी की गेट पर और फिर कमरें में प्रवेश के पूर्व ठीक से चेकिंग की जाती है। परन्तु अमीनाबाद कालेज में इस तरह की कोई चेकिंग नहीं हुयी। थर्मल स्कैनिग तो की गयी परन्तु सैनिटाइजर के नाम पर पानी जैसा कोई तरल बच्चों को दिया गया। कक्ष संख्या पैतीस के बच्चों ने बताया कि सैनिटाइजेशन के नाम पर दिया गया पैसा विद्यालय हजम कर गया। कमरों में जाले लटक रहे थे बैठने वाली सीटों पर धूल जमी थी। देख कर लग नहीं रहा था कि यहां परीक्षा होनी है पर कोई सफाई नही की गयी है। कमरे में लगे सीसीटीवी की हालत देख कर लग यही रहा था कि कैमरें चल भी रहे है या नहीं। प्रवेश परीक्षा के नियमानुसार परीक्षा केन्द्र परिसर में किसी प्रकार का स्टैण्ड आदि नहीं होना चाहिये। यदि होता भी है तो निःषुल्क होना चाहिये परन्तु यहां पर गाड़िया खड़ी करने के लिये स्टैण्ड बनाया गया और दस-दस रूपये भी परीक्षाथियों से वसूले गये। इस प्रकार कोरोना के चलते लखनऊ विश्व विद्यालय और जिला प्रशासन सफलतापूर्वक प्रवेष परीक्षा संपन्न कराने पर भले ही अपनी पीठ थपथपा ले। परन्तु मानकविहीन, स्तरहीन और कोरोना काल में सुरक्षा को ताक पर रखकर करायी प्रवेश परीक्षा अन्य परीक्षाओं को कराने के रास्ते जरूर खोल रही है।

विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2020-22 का औचक निरीक्षण किया। मजिस्ट्रेटों,केंद्र व्यवस्थापकों व कक्ष निरीक्षकों की ब्रीफिंग कर,परीक्षार्थियों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनने एवं पारदर्शी व शूचितापूर्ण परीक्षा संपन्न कराने हेतु दिए।

बलरामपुर अस्पताल से लौटाये जा रहे है एण्टीजन कोरोना टेस्टिंग कराने वाले

बलरामपुर अस्पताल में बुखार होने के बाद भी नहीं की एंटीजन टेस्टिग

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ सूबे के मुख्यमंत्री कोरोना टेस्टिंग की क्षमता प्रतिदिन बढ़ाने पर जोर दे रहे है। वही बलरामपुर जैसे अस्पताल एंटीजन टेस्टिंग कराने आये मरीजों को वापस कर रहा है। सरकार के कोरोना से लड़ने के प्रयासों पर अस्पताल के कर्मचारी और स्वास्थ्य विभाग पानी फेरने पर लगा हुआ है। वही पर अस्पताल प्रषासन और स्वास्थ्य विभाग मात्र बयानबाजी कर आंकड़ों की बाजीगरी-बाजीगरी खेल रहा है। जो लोग नगर निगम और स्वास्थय विभाग द्वारा वार्डों में लगाये कोरोना कैम्पों में नहीं जा पाये वे लाग बलरामपुर चिकित्सालय जांच कराने जा रहे है तो उनको चिकित्सालय के कर्मचारी मात्र पचास जॉच करने के

बाद वापस कर रहे है। पीड़ितों की माने तो आज का कोटा पूरा होने के नाम पर उनकों वापस किया जा रहा है। इस तरह के कई लोगों को गेट से ही वापस कर दिया जा रहा है। चौक निवासी बुखार से पीड़ित एक व्यक्ति ने बताया कि उसके पूरे परिवार के सदस्य बुखार से पीड़ित है परन्तु जांच करने वाले कर्मचारियों के अनुसार आज का कोटा पूरा हो गया है और अब कल आना। जबकि संभावना यह हो सकती है कि वह व्यक्ति कोरोना पांजिटिव ही हो। परन्तु उसे जांच के बगैर वापस कर दिया गया। इस संबध में बलरामपुर चिकित्सालय के निदेशक डा0 राजीव लोचन ने बताया कि जैसी व्यवस्था हमे मिल रही है उसी के अनुरूप जांच की जा रही है।

यहां प्रतिदिन टूनेट मशीन से पन्द्रह से बीस, सीटीआरपीसी से नब्बे के करीब और एंटीजन कोरोना टस्टिंग अनलिमिटेड की जा रही है। पूरे प्रदेश में सबसे अच्छी कोरोना जांच की सुविधायें केवल बलरामपुर अस्पताल ही प्रदान कर रहा है। जिलाधिकारी बाराबंकी के पन्द्रह जुलाई के पारित एक आदेश के तहत ब्लाक स्तर में प्रतिदिन कम से कम पचास जांच करना आवश्यक है। वही लखनऊ में वार्ड स्तर पर एंटीजन टेस्टिंग कैम्पों में भी जांच किटे कम पड़ गयी थी जो दुबारा आयी ही नहीं थी। एडिशनल सीएमओ डा0 एम0के0 सिंह ने बताया कि लखनऊ में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में साठ स्टैटजिक बूथों पर एंटीजन टेस्टिग हो रही है इसके साथ ही हमारी टीम सूचना मिलने पर घर-घर जाकर भी लोगों की जांच कर रही है। यहां जांचे अनलिमिटेड हो रही है।अधिकारियों की लापरवाही के चलते स्वास्थ्य विभाग और बलरामपुर चिकित्सालय के कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे है।

राम मंदिर को लेकर फेसबुक पर किया आपत्तिजनक पोस्ट

आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर निमार्ण को लेकर पुलिस शोसल मीडिया पर नजर बनाए हुए थी। कुछ लोग धार्मिक भावनाओं को भड़काने के प्रयास में थे।

इसी दौरान एक युवक गोंडा निवासी जिसने अपने फेसबुक अकाउंट से भड़काऊ पोस्ट किया था। जिस पर लखनऊ पुलिस ने जांच की तो युवक सही पाया गया जिसे गोंडा से गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि डीसीपी सेंट्रल सोमेन बर्मा बीते कुछ दिनों से उनकी सर्विलांस सेल सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाली, भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट पर निगरानी कर रही थी। इसी दौरान इमरान इम्मू नाम के फेसबुक अकाउंट से धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली पोस्ट देखी गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए हजरतगंज पुलिस ने आईपीसी 153,295,505(2) और 67 आईटी एक्ट में एक केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पता चला कि ये फेसबुक अकाउंट गोंडा के करीमुल्ला उर्फ इमरान का है जिसे वो खुद चलाता है। इस जानकारी के बाद हजरतगंज पुलिस ने गोंडा में छापेमारी कर इमरान को गिरफ्तार कर लिया। विधिक कार्रवाई कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

महिलाओं के मोबाइल पर अश्लील बातें करने वाला शोहदा गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। वीमेन पावर लाइन 1090 और सीतापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने महिलाओं के मोबाइल पर फोन कर अश्लील बातें करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वीमेन पावर लाइन 1090 के पुलिस अधीक्षक रवि शंकर छवि ने बताया, कि सीतापुर के मानपुर बेरिहा निवासी अनिल कुमार यादव फर्जी आईडी पर सिम लेकर महिलाओं को परेशान करता था। उसके खिलाफसीतापुर से 12, कानपुर नगर से सात, प्रयागराज से चार, बाराबंकी, हरदोई व उन्नाव से तीन-तीन, वाराणसी व रायबरेली से दो-दो और चंदौली, सुलतानपुर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, कुशीनगर, शाहजहांपुर, आजमगढ़, बहराइच, मिर्जापुर व गोंडा से एक-एक शिकायत समेत कुल 60 मामले दर्ज है। अपर पुलिस महानिदेशक वीमेन पावर

लाइन ने गिरफ्तार करने वाली टीम को पांच हजार का नकद पुरस्कार दिया। आरोपित अनिल अपने फोन से कोई भी दस डिजिट का नंबर मिलाता था। दूसरी तरफ से महिला के फोन उठाने पर बात करना शुरू कर देता। यदि पुरुष उठाता तो काट देता। पकड़े जाने की डर से उसने दस फर्जी आईडी पर सिम ले रखा था और दो मोबाइल फोन। सर्विलांस की मदद से पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार किया है।

बीएड परीक्षा हेतु लखनऊ यूनिवर्सिटी के संचालकों पर एफआईआर की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने आज हुए बीएड परीक्षा में सोशल डिस्टेंस तथा कोरोना से बचाव के समस्त निर्देशों का पूरी तरह से खुलेआम उल्लंघन होने के संबंध में परीक्षा संचालक लखनऊ विश्वविद्यालय के अधिकारीगण के खिलाफ एफआईआर दर्ज किये जाने की मांग की है, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे अपने पत्र में नूतन ने कहा कि जहाँ एक ओर केंद्र एवं राज्य सरकारें निरंतर कोरोना से बचाव के लिए नए-नए निर्देश दे रही है, वहीँ इस परीक्षा ने इन पूरे प्रयासों को मिटटी में मिला दिया, जहाँ लाखों की संख्या में अभ्यर्थी एवं अन्य लोग बहुत ही भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर एकसाथ एकत्र हुए तथा सोशल डिस्टेंस का नियम पूरी तरह दरकिनार हो गया और लोक स्वास्थ्य के साथ खुलेआम खिलवाड़ हुआ,नूतन ने कहा कि परीक्षा संचालक इन तथ्यों से पूरी तरह भिज्ञ थे।

अखिलेश यादव ने दिया बाइस में बाइसिकल का संदेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अगस्त क्रांति की भावना को उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के लक्ष्यों से जोड़ते हुए रविवार को अपने सभी कार्यकर्ताओं के लिए बाइस में बाइसिकल (वर्ष 2022 में साइकिल) का संदेश जारी किया। अखिलेश ने 12 पन्ने के इस संदेश में कहा है कि 1942 की अगस्त क्रांति की अवधारणा के आधार पर वर्ष 2022 में सपा की सरकार बनने पर वैचारिक आंदोलन के जरिए स्वतंत्रता संग्राम के सपनों को साकार करने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि अगर मानवता को पूंजी और सत्ता की हिंसा से मुक्ति दिलानी है, तो समाजवाद का सपना देखना होगा। वर्ष 2022 में हमें अपनी तैयारियों को लेकर कोई कसर बाकी नहीं रखनी है। 2022 में समाजवादी सरकार का काम जनता के नाम का उद्घोष रहेगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि अगस्त क्रांति के शहीदों का सपना देश में किसान, मजदूर और युवाओं का राज स्थापित करना था। इस सपने को अमलीजामा पहनाने की जिम्मेदारी सपा की है। जिस तरह समाजवादियों ने अगस्त क्रांति और जेपी आंदोलन के दौरान अग्रणी भूमिका निभाई थी, उसी तरह आज भी समाजवादी लोग एकजुट होकर संवैधानिक मूल्यों को बचाने और उन्हें बहाल करने की भूमिका निभाएंगे। अखिलेश के इस संदेश को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से जोड़ते हुए इसका नाम बाइस में बाइसिकल रखा गया है। बाइसिकल (साइकिल) सपा का चुनाव निशान है। उन्होंने संदेश में कहा कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल के दौरान सत्ता के दुरुपयोग का दौर शुरू होने और लोकतंत्र विरोधी निर्णय के खिलाफजनता के आक्रोश के इतिहास से भाजपा ने कोई सबक नहीं सीखा है। सत्ता में आने पर इस पार्टी ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संपूर्ण क्रांति से उपजे मुद्दों की भी अनदेखी कर दी है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने विनाशकारी रास्ता अपना लिया है और लोकतंत्र की आवाज को अनसुना कर दिया। सत्ता पर एक अधिकारी मानसिकता भाजपा में कूट-कूट कर भरी हुई है। आज विचारधाराओं में टकराव है। एक तरफ लोकतंत्र है तो दूसरी तरफ खुद को सबसे ऊपर दिखाने की एकाधिकार वादी मानसिकता। हमें तय करना होगा कि किधर जाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केंद्र और राज्यों में सरकारें चलाई हैं और दोनों ने ही संविधान की मूल भावना को ठेस पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

आईसीयू में पहुंचे कानून मंत्री बृजेश पाठक, कोरोना रिपोर्ट आई थी पॉजिटिव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में खतरनाक कोरोना वायरस तेजी से अपना पांव पसारता जा रहा है। वहीं कोरोना की चपेट में आए योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक आईसीयू में पहुंच गए हैं। उन्हें सांस लेने में दिक्कत आने पर लखनऊ पीजीआई में भर्ती कराया गया है। बता दें कि 5 अगस्त को कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद वह घर पर ही आइसोलेट थे। आईसीयू प्रभारी डॉ. देवेंद्र गुप्ता की निगरानी में डॉक्टरों की टीम ने कानून मंत्री का इलाज शुरू कर दिया है।

काकोरी काण्ड की वर्षगांठ पर योगी ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ, संवाददाता। ब्रिटिश पराधिनता की बेड़ियों में जकड़े देश के क्रांतिकारियों ने आजादी के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए,जिससे कि हम आज स्वतंत्रता का मतलब समझ पा रहे हैं। उनमें से एक था 9 अगस्त 1925 को घटी ऐतिहासिक घटना जिसे इतिहास में काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है।काकोरी काण्ड ने अंग्रेजों को बड़ा परेशान किया और एक संदेश पहुंचा दिया कि हिन्दुस्तानी क्रांतिकारी उनसे लोहा लेने के लिए हर तरह के तरीके अपना सकते हैं। काकोरी कांड के लिए हमेशा रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह समेत कुल दस क्रांतिकारियों को याद किया जाता है। इस कांड को अंजाम देने वालों में अधिकतर लोग 'हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन' से जुड़े थे। जिनमें से कुछ को बाद में इस मामले के लिए फांसी भी हो गई। इस पूरे कांड के दौरान जर्मनी के माउजर का इस्तेमाल किया गया, करीब चार हजार रुपये लूटे गए थे।9 अगस्त 1925 को हुई इस घटना के ऊपर शहीद-ए-आजम भगत सिंह ने काफी विस्तार से लिखा है। उन दिनों छपने वाली पंजाबी पत्रिका 'किरती' में भगत सिंह ने एक सीरीज शुरू की थी, जिसमें वो काकोरी कांड के हीरो का परिचय पंजाबी भाषा में लोगों से करवाते थे। इसके अलावा उस पूरी घटना से जुड़ी बातें साझा करते थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी कांड की वर्षगांठ पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश को स्वतंत्र कराने के लिए यह निर्णायक युद्ध था। इसमें शामिल सभी महान आत्माओं को बारंबार नमन। क्रान्तिकारियों द्वारा चलाए जा रहे स्वतन्त्रता के आन्दोलन को गति देने के लिये धन की तत्काल व्यवस्था की जरूरत थी। इस बाबत बैठक हुई जिसके दौरान राम प्रसाद बिस्मिल ने अंग्रेजी सरकार का खजाना लूटने की योजना बनायी थी। इस योजनानुसार दल के ही एक प्रमुख सदस्य राजेंद्रनाथ लाहिरी ने 9 अगस्त 1925 को लखनऊ जिले के काकोरी रेलवे स्टेशन से छूटी, पैसेन्जर ट्रेन, को चेन खींच कर रोका और क्रान्तिकारी पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में अशफाक उल्ला खां, पंडित चंद्रशेखर आजाद व 6 अन्य सहयोगियों की सहायता से समूची लौह पथ गामिनी पर धावा बोलते हुए सरकारी खजाना लूट लिया। बाद में अंग्रेजी सत्ता उनकी पार्टी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के कुल 40 क्रान्तिकारियों पर सम्राट के विरुद्ध सशस्त्र युद्ध छेड़ने, सरकारी खजाना लूटने व यात्रियों की हत्या करने का प्रकरण चलाया जिसमें राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ तथा ठाकुर रोशन सिंह को मृत्यु-दण्ड सुनायी गयी।

मुख्तार अंसारी के सहयोगी को एसटीएफने मार गिराया

लखनऊ, संवाददाता। माफिया डॉन से राजनेता बने मुख्तार अंसारी का करीबी सहयोगी और खूंखार शूटर राकेश पांडे को रविवार सुबह उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक टीम ने लखनऊ के बाहरी इलाके में मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि शूटर राकेश पांडे उर्फ हनुमान पांडे पर 1 लाख रुपये का इनाम था। एसटीएफ के आईजी अमिताभ यश ने कहा कि जब पांडे अपने एक साथी से मिलने के लिए सरोजनीनगर पुलिस थाने की सीमा के एक इलाके में गया तो वहां एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की। इसी दौरान हुई जवाबी फायरिंग में पांडे को गोली लगी। पुलिस ने कहा कि पांडे पिछले 23 वर्षों में अंसारी के गिरोह द्वारा की गई कई हत्याओं और गोलीबारी की घटनाओं में शामिल था। उस पर भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या की साजिश रचने का भी आरोप था, जिनकी 2005 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

केकेसी कालेज मे बीएड परीक्षा की व्यवस्था को लेकर निरक्षण करने पहुचे जिला अधिकारी अभिषेक प्रकाश।

गोलीकाण्ड से कोट गांव में दहशत का माहौल

चुनावी रंजिश चलते महिला प्रधान के पुत्र को मारी गोली

पुलिस की हीलाहवाली के चलते हमलावरों ने घटना को दिया अंजाम

खागा, फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। जनपद में ताबडतोड बढ रही अपराधिक घटनाओं पर जहॉ पुलिस अंकुश लगाने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। वही अपराधियो के हौसले बुलन्द है और पुलिस को चुनौती पर चुनौती दे घटना को अंजाम देने में नही चूकते है। पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा भले ही अपने अधिनस्थो को अपराध पर पैनी निगाह रखने व अंकुश लगाने का पाठ पढ़ाते है, लेकिन पुलिस के हीलाहवाली के चलते आये दिन अपराधी घटना को अंजाम देकर आराम से निकल जाते है। आखिरकार पुलिस के हीला हवाली के चलते रविवार की दोपहर प्रधानी चुनाव की रंजिश को लेकर आधा दर्जन दबंगो ने ग्राम प्रधान पुत्र को गोली मार दी। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय लाया गया। जहा चिकित्सक ने उसकी हालत गम्भीर देखते हुये कानपुर के लिये रिफर कर दिया। हादसे के बाद से जहा गांव में सनसनी फैल गयी वही लोगो के बीच दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात कर दिया। जानकारी के अनुसार खखरेरू थाना क्षेत्र के ग्राम कोट की महिला ग्राम प्रधान रूबियान निशा पत्नी अजहर अली उर्फ मुस्सन लम्बरदार के पुत्र मुर्शरफ अली जो अपनी मां का सारा काम देखता है। बताते है कि प्रधानी चुनाव को लेकर आजम व कल्लू के बीच काफी समय से रंजिश चली आ रही है। बताते है कि छः माह बाद प्रधानी का चुनाव होना है जिसको लेकर दोनो पक्षो के बीच तनातनी चली आ रही है। इससे पूर्व दोनो पक्षो के बीच कहा सुनी हुयी थी जिस पर महिला ग्राम प्रधान ने थाने में जाकर तहरीर भी दिया लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाई न करने पर विपक्षियो कें हौसले बढते चले गये। आखिरकार वही हुआ जो नही होना चाहिये था। आज दोपहर लगभग 12 बजे मुर्शरफ अली गांव से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित बस स्टाप गया था जहां पहले से ही घात लगाये बैठे हमलावरो ने उस पर ताबडतोड फायर कर दिया जिससे गोली लगने से मुर्शरफ मौके पर ही गिरकर तडपने लगा। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से भाग खडे हुये। वही गोली चलने से बस स्टाप में भगदड मच गयी। जिसको जहा रास्ता मिला उधर निकल गया।

सनसनीखेज घटना की सूचना पाते ही थानाध्यक्ष भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गये। वही जानकारी मिलने पर घायल के परिजन भी मौके पर पहुचे और आनन-फानन पुलिस बल सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा घायल को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहा हालत गम्भीर होने पर चिकित्सक ने उसे कानपुर मेडिकल कालेज के लिये रिफर कर दिया। वही घटना की जानकारी देते घायल का भाई मुशरतअली ने बताया कि उसकी मां ग्राम प्रधान है और उनका सारा काम भाई मुर्शरफ अली देखते है। इससे पहले भी हमलावरो ने कई बार हमला करने का प्रयास किया जिसकी लिखित तहरीर थाने में दी। उसने बताया कि उसके बावजूद पुलिस का कहना है कि तुम लोग झूठा मुकदमा दर्ज कराकर फसाना चाहते हो। कार्रवाई न होने के कारण आज हमलावरो ने उसके भाई को गोली मार दी। वही घटना संज्ञान में आने पर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने थानाध्यक्ष को जल्द से जल्द आरोपियो को हिरासत में लेने के कडे निर्देश दिये।

हैण्डलूम बोर्ड को समाप्त करना राष्ट्रीय स्वाभिमान पर चोट जैसा: सुधाकर

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष पार्टी प्रवक्ता सुधाकर अवस्थी ने कहा कि स्वदेशी के प्रबल पैरोकार तथाकथित वादियों की सरकार ने स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस द्वारा गठित हैंडलूम बोर्ड को पिछले दिनों समाप्त कर दिया है। जिससे स्वदेशी हैंडलूम वस्त्रों का उत्पाद निश्चित रूप से हतोत्साहित व प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान काल में लोगों की नौकरियां जा रही हैं ऐसे समय में कुटीर उद्योग के रूप में स्वदेशी हैंडलूम वस्तुओं के उत्पाद को बढ़ावा देने की जरूरत थी। हैंडलूम बोर्ड को सशक्त करके हैंडलूम वस्त्रों के लोकल प्रोडक्शन को प्रोत्साहित करके भारतीय स्वराज व स्वदेशी स्वाभिमान को मजबूत किया जा सकता था किंतु बीजेपी सरकार ने हैंडलूम बोर्ड को समाप्त करके राष्ट्रीय स्वाभिमान को समाप्त करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज स्वदेशी के लिए गला फाड़ने वालों के मुंह पर लकवा मार गया है। उन्होंने रोजगार व स्वदेशी स्वाभिमान के हित में सरकार से हैंडलूम बोर्ड की बहाली के साथ-साथ हैंडलूम वस्त्रों के विकास बढ़ावा देने के लिए विशेष पैकेज की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय कांग्रेस नें स्वदेशी स्वाभिमान के लिए खादी व हैंडलूम वस्त्रों के विकास से संबंधित अभियान चलाए थे जिसके तहत ही हैंडलूम बोर्ड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड आ गए थे।

जहरीला पदार्थ खा युवती ने दी जान

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। हथगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बेरहरा में शनिवार की देर शाम एक लगभग तीस वर्षीय महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया उपचार के लिये सदर अस्पताल लाया गया। जहा चिकित्सक ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार बेरहरा गांव निवासी कमल सिंह की पत्नी उमा देवी ने कल शाम मानसिक तनाव के चलते जहर खा लिया। कुछ देर बाद जब उसे उल्टी होने लगी तो परिजन उसे उपचार के लिये सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा जिला चिकित्सालय में पहुचाया। जहा ड्यूटी मे तैनात चिकित्सक ने महिला को मृत्यु घोषित कर दिया। वही पुलिस ने मर्चरी हाउस पहुच शव को अपने कब्जें में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्ट मार्टम हाउस में मृतका का पति कल्लू ने बताया कि वह शिक्षामित्र है। आत्महत्या का कारण पूछने पर उसने बताया कि उसकी पत्नी अपने भाई पंकज पुत्र अमर सिह निवासी मटेवा का पुरवा थाना शैनी जनपद कौशाम्बी से रूपये की लेनदेन की बात कह रही थी जिस पर भाई द्वारा कुछ अशब्द बात दिया जिससे उसकी पत्नी ने घटना को अंजाम दे दिया।

सडक हादसे में बाइक सवार की मौत

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम सुधवा के समीप शनिवार की शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से एक लगभग 23 वर्षीय बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार हुसेनगंज थाना क्षेत्र के जरार गांव निवासी राजबहादुर का पुत्र लवकुश मोटर साइकिल से थरियाव अपनी रिश्तेदारी मे जा रहा था। जब वह सुधवा गांव रोड पर पहुचा तभी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद चालक वाहन सहित भाग जाने मे सफल रहा। सूचना पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

तबियत बिगडने पर वृद्ध की मौत

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। खखरेरू थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ढाबे में काम करने वाले 55 वर्षीय अधेड की अचानक तबियत बिगड जाने से उपचार के लिये हरदो सीएचसी ला रहे थे जहा उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के जमोहा लमेहटा गांव निवासी बृजेश जो खखरेरू थाना क्षेत्र के अन्तर्गत एक ढाबे में काम करता था बताते है कि उसका स्वास्थ्य भी ठीक नही था कल जब वह ढाबे पहुचा तो तभी अचानक उसकी तबीयत बिगड गयी और अचेत होकर मौके पर ही गिर पडा। जिस पर ढाबा मालिक तत्काल उसे अपनी निजी गाडी से हरदो सीएचसी लाये। जहा चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

मारूति की टक्कर से वृद्धा की मौत

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। थाना कल्यानपुर कस्बा में रविवार की सुबह सडक पार कर रहे एक लगभग 68 वर्षीय वृद्ध महिला को तेज रफतार आ रही मारूति वैन ने टक्कर मार दिया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने चालक व वाहन को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार कल्यानपुर कस्बा निवासी स्व0 होरीलाल की पत्नी गंगादेई आज सुबह रोज की भांति दूध लेकर घर वापस आ रही थी जब वह सडक पार करने लगी तभी विपरीत दिशा से तेज रफतार आ रही मारूति वैन टक्कर मार दिया जिससे वृद्धा की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। वही पुलिस ने भाग रहे चालक को वाहन सहित हिरासत में ले लिया। वही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। थरियांव थाना क्षेत्र के रसूलाबाद रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन की चपेट में आ जाने से एक लगभग 48 वर्षीय अधेड की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार थाने के टेकसारी खुर्द गांव निवासी श्रीपाल का पुत्र रामजियावन शुक्रवार की शाम किसी काम से जा रहा था। तभी रसूलाबाद रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेउन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। उधर सिनाख्त न होने के कारण पुलिस को दिक्कत आ रही थी। तभी शव की पहचान करने आये मृतक का नाम रामजियावन बताते हुये कहा कि वह अपने रिस्तेदार के यहा शुक्रवार को निकला था। वापस न आने पर उसकी खोजबीन की जा रही थी। लेकिन कोई सुराग नही मिल रहा था। अज्ञात शव ट्रेउन से कटने की सूचना पर मौक पर पहुचे जहा उसकी पहचान की गयी।

सडक हादसे में घायल युवक की मौत

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पारादान के समीप दो दिन पूर्व हुये सडक हादसे में घायल 35 वर्षीय युवक की उपचार के लिये कानपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बिन्दकी कोतवाली के ग्राम बरहोरी निवासी स्व0 रामप्रसाद का पुत्र विजय बहादुर सिंह ने शुक्रवार की शाम मोटर साइकिल से रिस्तेदारी में जा रहा था जैसे ही वह पारादान गांव के समीप पहुचा तभी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय लाया गया। शनिवार की शाम कानपुर के लिये रिफर कर दिया। जिसकी रास्ते में ही मौत हो गयी। वही जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

युवती समेत दो ने खाया जहर

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रो के अन्तर्गत युवती समेत दो लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जिन्हे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार किशनपुर थाना क्षेत्र के इकौरा गांव निवासी शीतल पाल न आज सुबह अपनी 20 वर्षीय पुत्री अन्जु देवी को किसी बात को लेकर दो थप्पड मार दिया। इसी से क्षुब्ध होकर उसने गेहू में डालने वाली गोली सलफास खा लिया। वही शहर क्षेत्र के रानी कालोनी निवासी स्व0 रामजियावन का 65 वर्षीय पुत्र ज्ञान सिंह ने बीमारी के चलते जहर खाकर जान देने की कोशिश की। कुछ देर बाद जब दोनो की हालत बिगडने लगी तो परिजनो ने उन्हें आनन-फानन सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहा युवती की हालत गम्भीर बनी हुयी है।

बाइकों की भिड़ंत, अधेड़ समेत दो घायल

बिन्दकी, फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। कोतवाली क्षेत्र के दरवेसाबाद गांव के समीप दो बाइकों में आमने-सामने तेज भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाइक में सवार धीरज उम्र 28 वर्ष निवासी कोरईया कोतवाली बिंदकी तथा दूसरी बाइक में सवार सोहन उम्र 25 वर्ष पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी तिंदवारी जनपद बांदा गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ लग गई। दोनों घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार बाद दोनों की हालत चिंताजनक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

तालाब से वृद्धा का शव बरामद

खागा, फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मझिलगांव के समीप तालाब से रविवार की दोपहर ग्रामीणो की सूचना पर पुलिस ने एक लगभग 68 वर्षीय अज्ञात महिला का शव बरामद किया है। वही बताते है कि मृतका मझिलगांव निवासी रामसजीवन रैदार की पत्नी बतायी जा रही है। हालाकि पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया है।

रोज-रोज के झगड़े से तंक आकर दम्पति ने खाया जहर, महिला की मौत

दो पत्नी के चलते आये दिन परिवार में मची रहती थी महाभारत

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम मण्डासराय में रविवार की सुबह दम्पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया जिन्हे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वही पति की हालत गम्भीर देखते हुये कानपुर के लिये रिफर कर दिया। जानकारी के अनुसार थाने के मण्डासराय गांव निवासी रामकिशुन पुत्र कुम्मन 35 वर्ष ने दो शादी की थी। जिसमें पहली पत्नी रूहल देवी जबकि दूसरी पत्नी उसकी रेखा देवी बताया जा रहा है कि आये दिन दोनो महिलाओ के बीच कहा सुनी होती रहती थी। जिसके चलते पास पडोस के लोग भी उनकी लडाई से परेशान थे। पति द्वारा दोनो पत्नियो को किसी तरह समझा बुझा कर शान्त कर देंता था कहते है कि एक मयान में दो तलवार नही रह सकती यही हाल दोनो महिलाओ के बीच था। जब कि पहली पत्नी अपना हक ज्यादा जमाती थी वही दूसरी पत्नी उतना ही हक जमाती थी आखिर कार बात यहा तक पहुच गयी कि रामकिशुन ने अपनी दूसरी पत्नी रेखा देवी के साथ घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद जब दोनो की हालत बिगडन लगी तो घर के अन्य सदस्यो ने आनन-फानन सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा दम्पती को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय पहुचाया। जहा इमरजेन्सी मे तैनात चिकित्सक ने महिला को मृत्यु घोषित कर दिया जब कि पति की हालत चिन्ताजनक देखते हुये कानपुर मेडिकल कालेज के लिये रिफर कर दिया। जो जिन्दगी और मौत के बीच सघर्ष कर रहा है। वही पुलिस ने जिला चिकित्सालय मर्चरी पहुचकर शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

पूर्व विधायक एमपीएन सिंह के अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

गॉड ऑफऑनर के साथ दी गयी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एक स्वयंसेवक के रूप में अपना सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन प्रारम्भ कर जनसंघ का सफर तय करते हुए फतेहपुर में भाजपा की पहचान बनाने वाले 1980 में फतेहपुर से विधान सभा का चुनाव लड़ने के साथ, हस्वा विधानसभा से 1993 में विधायक, 1991 में विधान परिषद सदस्य, 1996 में फतेहपुर लोकसभा के प्रत्याशी, मीसाबंदी, लोकतंत्र सेनानी तथा जनपद में शिक्षा की अलख जगाने वाले पूर्व शिक्षक महेंद्र प्रताप नारायण सिंह को कल भिटौरा घाट में प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें विभाग कार्यवाह ज्ञानेन्द्र, विभाग प्रचारक सर्वेश, पूर्व विभाग प्रचारक अरुण, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, प्रदेश सरकार के मंत्री रणवेंद्र प्रताप सिंह, जय कुमार जैकी, विधायक श्रीमती कृष्णा पासवान, विधायक विकास गुप्ता, विधायक करण सिंह पटेल, कांग्रेस नेता पीयूष नाथ सिंह गौतम, भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंह चौहान, पूर्व मंत्री अमरजीत सिंह जनसेवक, पूर्व मंत्री भाजपा पंकज त्रिपाठी, भाजपा महामंत्री नीरज सिंह, चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, शैलेंद्र रघुवंशी, पुष्पराज पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

चोरी की मोटर साइकिल व बमों के साथ अभियुक्त चढ़े हत्थे

जाफरगंज, फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। थाना क्षेत्र के मांझेपुर से अंगदपुर मोड़ पर मुखबिर की सूचना पर शनिवार की देर शाम दो संदिग्ध व्यक्ति राजेश उर्फ फूलबाबू पुत्र युगराज विश्वकर्मा उर्फ नान बच्चा निवासी जगदीशपुर सिंगरी थाना किशनपुर हाल पता पँचायत घर खोटिला जाफरगंज, गोविन्द पुत्र धनगल प्रजापति निवासी खोटिला के कब्जे से एक अदद मोटर साइकिल नम्बर यूपी71एबी/7964 हीरो पैशन प्रो चोरी की तथा अभियुक्त राजेश के कब्जे से 04 अदद देशी बम, गोबिंद के कब्जे से 03 अदद देशी बम समेत चोरी की मोटर साइकिल जो विगत 18 जून को थाना हथगाम अदलीपुर मोड़ से चोरी की थी बरामद करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्तों के विरुद्ध थाना किशनपुर में मुकदमे पंजीकृत है। चोरी की घटना में इनके अलावा राजमोहन पुत्र बीरेंद्र विश्वकर्मा निवासी बरौली थाना किशनपुर का भी नाम बताया जा रहा है। थाना में तैनात एसएसआई शहंशाह हुसैन द्वारा चेकिंग के दौरान दोनों अभियुक्तों को पकड़ा और मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

युवती समेत दो ने खाया जहर

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रो के अन्तर्गत युवती समेत दो लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जिन्हे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार किशनपुर थाना क्षेत्र के इकौरा गांव निवासी शीतल पाल न आज सुबह अपनी 20 वर्षीय पुत्री अन्जु देवी को किसी बात को लेकर दो थप्पड मार दिया। इसी से क्षुब्ध होकर उसने गेहू में डालने वाली गोली सलफास खा लिया। वही शहर क्षेत्र के रानी कालोनी निवासी स्व0 रामजियावन का 65 वर्षीय पुत्र ज्ञान सिंह ने बीमारी के चलते जहर खाकर जान देने की कोशिश की। कुछ देर बाद जब दोनो की हालत बिगडने लगी तो परिजनो ने उन्हें आनन-फानन सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहा युवती की हालत गम्भीर बनी हुयी है।

सोच फाउंडेशन: साप्ताहिक लाकडाउन में जरूरतमंद लोगो को बांटे लंच पैकेट

मन्दिरो में बैठे साधु-संतो व गरीब लोगो को वितरित की खाद्य सामग्री

कानपुर (प्रभात व्यूज)। सोच फाउण्डेशन की जिला टीम प्रमुख प्रियंका सिंह के नेतृत्व में टीम के सक्रिय सदस्यों जिसमें रजत शुक्ला, सुयश त्रिपाठी, सुमन्त श्रीवास्तव, श्वेता विश्वकर्मा द्वारा नगर के किदवई नगर इलाके स्थित मंदिरो में (सोटे बाबा मंदिर, जूही गौसाला में स्थित साई मन्दिर में बैठे साधु/संतो व जरूरतमंद लोगों में लंच पैकेट का वितरण किया गया। इस दौरान संस्था के सक्रिय सदस्य रजत शुक्ला ने बताया कि कोरोना महामारी की वजह से लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गयी है। प्रदेश की योगी सरकार द्वारा सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार को सम्पूर्ण लाक्डाउन होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए संस्था द्वारा प्रत्येक शनिवार व रविवार को जरूरतमंद लोगों की मदद व खाने का वितरण किया जा रहा है। मंदिरो के बंद होने से वहाँ पे बैठे साधु/संतो को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसको ध्यान में रखते हुए सोच टीम ने आज कई मंदिरो में बैठे साधु संत व जरूरतमंद लोगों को लंच पैकेट का वितरण किया। उन्होने बताया कि आज करीब एक सैकड़ा लोगों कि मदद टीम द्वारा की गयी। इस कार्य को जमीनीं स्तर पर साकार करने में सोच टीम की अनुप्रिया पाण्डेय, वंदना शाक्य, श्वेता पाण्डेय, सुप्रिया गुप्ता, अदिति तिवारी, शोभित शुक्ला, आशुतोष सिंह, कपिल पाण्डेय, दीपक यादव आदि का सराहनीय योगदान रहा।

सड़क हादसे में पूर्व प्रधान की मौत, दो घायल

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। मलवां थाना क्षेत्र के रावतपुर गांव के रहने वाले पूर्व प्रधान मौजीलाल यादव रविवार दोपहर एक हादसे का शिकार हो गए। बताया जा रहा है कि गांव की एक महिला बीमार है जो सदर अस्पताल में भर्ती है और और उसका इलाज चल रहा है। जिसे देखने मौजीलाल गांव के ही अशोक कुमार व एक अन्य व्यक्ति के साथ बाइक से सदर अस्पताल गए थे। दोपहर बाद तीनों लोग एक ही बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। तभी वह सहिली से पहले अमरूद के एक बाग के पास पहुंचे थे कि तभी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर खंदक में चली गई। हादसा देख स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़कर पहुंचे लेकिन तब तक मौजीलाल की मौत हो चुकी थी। वहीं अन्य दोनों लोग मामूली रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मचा रहा। वहीं पुलिस ने पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ब्राह्मण महासंघ की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

हुसैनगंज, फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ की बैठक हुसैनगंज में महावीर स्वामी के मंदिर में सम्पन्न हुई। जिसमे निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमें संगठन का विस्तार, संगठन के विस्तार के लिए कोषाधिकारी, संगठन के विस्तार के लिए सदस्यता अभियान, संगठन में पदाधिकारी की नियुक्ति, ब्राह्मण समाज की उन्नति जिसमें जिलाध्यक्ष मनीष त्रिपाठी, जिला महासचिव अंकित दीक्षित, पूर्वी फतेहपुर नगर अध्यक्ष अंकित तिवारी, हुसैनगंज विधानसभा अध्यक्ष आशुतोष तिवारी, हुसैनगंज विधानसभा उपाध्यक्ष कुलदीप शुक्ला, दीपक तिवारी, शिवकुमार मिश्रा (पंकज), हुसैनगंज नगर अध्यक्ष गोटू पंडित दीक्षित (रचित), हुसैनगंज नगर उपाध्यक्ष शशांक मिश्रा, शिवम मिश्रा, हुसैनगंज नगर प्रवक्ता प्रेमसागर मिश्रा (सुमित), हुसैनगंज मंत्री राम दुबे, हुसैनगंज मीडिया प्रभारी हितांशु त्रिवेदी, हुसैनगंज महामंत्री तिलक राज द्विवेदी, हुसैनगंज मंत्री मनीष बाजपेयी आदि सदस्य मौजूद रहे।

असीम पर संकीर्णता के नियंत्रण का प्रयास

पूरे विश्व के श्री राम भक्तों,राम प्रेमियों, भगवान राम के मानने व न मानने वालों,आस्तिकों व नास्तिकों सभी धर्मों व जातियों तथा संसार के समस्त देशों के समस्त देशवासियों तथा समस्त जीव जंतुओं को श्री राम जन्म भूमि मंदिर के तीसरे परन्तु संभवतः अंतिम शिलान्यास की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। गत 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्री राम जन्म भूमि मंदिर का भूमि पूजन कर इसकी आधार शिला रखी गयी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के अतिरिक्त जो अन्य चार अति विशिष्ट हस्तियां शिलापूजन मंचासीनश् रहीं वे थीं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत,उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ,उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, तथा राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण ट्रस्ट के प्रमुख महंत नृत्य गोपाल दास। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी एक विशिष्ट अतिथि को तौर पर यहाँ मौजूद रहे और प्रधानमंत्री के साथ उपस्थित अतिथियों को संबोधित भी किया। देश विदेश में इस बहुप्रतीक्षित मंगल दिवस का सभी भारतवासियों द्वारा स्वागत किया गया। देश ने भी चौन की सांस ली क्योंकि दशकों से मंदिर मस्जिद विवाद को लेकर दिन प्रतिदिन जो साम्प्रदायिक वैमनस्य बढ़ता जा रहा था और विभिन्न राजनैतिक दल जिस अयोध्या मुद्दे को समय समय पर अपने वोट के रूप में भुनाते रहते थे कम से कम राम मंदिर के नाम पर चलने वाली नेताओं की उस दुकानदारी पर तो विराम लग गया। परन्तु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने वाला निर्णय सुनाने के बाद जिस तरह श्री राम जन्म भूमि मंदिर के भूमि पूजन के आयोजन को संगठन व दल विशेष की देखरेख में तथा उसी की योजनानुसार संपन्न किया गया उसे लेकर बड़े पैमाने पर आलोचना के स्वर उठ रहे हैं। उम्मीद की जा रही थी कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला आने के बाद भूमि पूजन व आधार शिला रखने का कार्यक्रम दुनिया को यह सन्देश दे सकेगा कि भगवान राम भारत के लोगों के लिए एक ऐसे निर्विवादित महापुरुष हैं जिनके प्रति सभी के मन में बराबर आदर व सम्मान है। रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से विशेष अतिथि के रूप में पहला न्योता, अदालतों में बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को देकर तथा पद्मश्री पुरस्कार के लिए नामित फैजाबाद निवासी शरीफ चचा को भूमि पूजन में सबसे पहला निमंत्रण देकर कर निश्चित रूप से मंदिर निर्माण ट्रस्ट ने इस विषय पर अब तक फैलाई जा चुकी सार्म्प्दायिक दुर्भावना को विराम लगाने की कोशिश तो जरूर की। परन्तु इसके बावजूद केंद्र सरकार द्वारा गठित ट्रस्ट ने ऐसे अनेक निर्णय लिए जो मंदिर निर्माण की शुरुआत की खुशी होने के बावजूद देश के एक बड़े वर्ग को रास नहीं आए। उदाहरण के तौर पर इस अवसर पर सभी धर्मों के एक एक शीर्ष धर्मगुरुओं को भी यदि आमंत्रित किया गया होता तो ज्यादा बेहतर था। यदि यह संभव नहीं हो सका तो हिन्दू धर्म की ही सभी जातियों के प्रतिनिधियों को तो जरूर शामिल होना चाहिए था? चारों शंकराचार्य का आयोजन में शरीक न होना भी देश के लोगों के गले नहीं उतरा। देश यह भी नहीं जान सका कि यदि प्रधानमंत्री की उपस्थिति जरूरी थी तो राष्ट्रपति की क्यों नहीं? यह भी नहीं तो कम से कम प्रत्येक राजनैतिक दलों के एक एक प्रतिनिधियों को ही शामिल कर राम को लेकर एकता का सन्देश दिया जा सकता था? इतेहा तो यह रही कि लाल कृष्ण अडवाणी जैसे नेता जिन्होंने राम जन्म भूमि आंदोलन को गति दी तथा जिनके राजनैतिक प्रयासों से भाजपा आज इस स्थान तक पहुंची है, उन्हें भी इस आयोजन में सम्मानित अतिथि का स्थान देना मुनासिब नहीं समझा गया? मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ नेता व जन्म भूमि आंदोलन के नायक को भी इस समारोह में दरकिनार रखा गया? राम जन्म भूमि आंदोलन के फायर ब्रांड नेता परवीन तोगड़िया को तो जैसे संघ व भाजपा ने भुला ही दिया?देश के विशेषकर अयोध्या के आसपास के क्षेत्रों के उन कारसेवकों को भी इस बात का काफी मलाल रहा की वे उस आयोजन के साक्षी न रह सके जिसमें उन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। इस आयोजन को सर्वधर्म,सर्वजातीय,सर्व दलीय आयोजन के बजाए ठीक इसके विपरीत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ,विश्व हिन्दू परिषद् व भाजपा का आयोजन बनाकर संकीर्ण सोच का परिचय दिया गया। भगवान राम पर अपना एकाधिकार जताने वालों पर ही निशाना साधते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता व मंदिर आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली उमा भारती को कहना पड़ा कि श्राम के नाम पर बीजेपी का पेटेंट नहीं हुआ है.उन्होंने कहा कि श्राम के नाम पर किसी का पेटेंट नहीं हो सकता है. राम का नाम अयोध्या या बीजेपी के बाप की बपौती नहीं है. ये सबकी हैं, जो बीजेपी में हैं या नहीं हैं. जो किसी भी धर्म को मानते हो. जो राम को मानते हैं, राम उन्हीं के हैं.उमा भारती ने यह भी कहा कि 'राम' पर जिस तरह का एकाधिकार जताया जा रहा है वह 'अहंकार' है। नरेंद्र मोदी ने मई 2014 में जब पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लो थी उस समय उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित कर यह सन्देश देने की कोशिश की थी कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने का इच्छुक है। पूरे विश्व ने नरेंद्र मोदी की इस दूरदर्शी राजनीति को सराहा भी था। परन्तु जिस प्रकार अपने ही देश में श्री राम जन्म भूमि पूजन के आयोजन के इस ऐतिहासिक क्षण में संघ व भाजपा ने अपना एकाधिकार जताने की कोशिश की है उसकी सर्वत्र आलोचना की जा रही है। बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी हो या मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड,ए आई आई एम एम ,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ हो या विश्व हिन्दू परिषद् अथवा भाजपा इनमें से किसी भी संघ,संस्था अथवा दल को किसी भी धर्म या समाज का समग्र प्रतिनिधि संगठन नहीं माना जा सकता। आज देश का किसी भी धर्म या जाति के सभी लोग पूरी तरह से किसी एक संगठन से जुड़े नहीं है। इसलिए भगवन राम हों या किसी भी धर्म के कोई भी महापुरुष या अवतारी पुरुष किसी पर किसी व्यक्ति,संस्था या दल का एकाधिकार नहीं हो सकता। यहाँ मैं अपनी बात के समर्थन में कुंवर महेंद्र सिंह बेदी की उन चार लाइनों को उदघृत करना चाहूंगा जो उन्होंने मुस्लिम बाहुल्य देश दुबई के उस मुशायरे में पढ़ी थीं जहाँ 95: श्रोता मुस्लिम थे। और उनके इस कलाम को सुनकर पूरा ऑडोटेरियम तालियों की गड़गड़ाहट से देर तक गूंजता रह गया था। हजरत मोहम्मद व हजरत अली पर अपना एकाधिकार जताने वाले तंग नजर मुसलमानों को संबोधित करते हुए उन्होंने फरमाया था--'तू तो हर दीन के हर दौर के इंसान का है। कम कभी भी तेरी तौकीर न होने देंगे।। हम सलामत हैं जमाने में तो इंशाअल्लाह। तुझको इक कौम की जागीर न होने देंगे'।। सहर साहब ने यहीं आगे पढ़ा कि -'हम किसी दीन से हों कायल-ए-किरदार तो हैं। हम सनाख्वान -ए-शह-ए-हैदर-ए-कर्रार तो हैं। नामलेवा हैं मोहम्मद के परस्तार तो हैं। यानी मजबूर पए अहमद-ए-मुख्तार तो हैं।। इश्क हो जाए किसी से कोई चारा तो नहीं। सिर्फ मुस्लिम का मोहम्मद पे इजारा तो नहीं। सहर साहब की उपरोक्त पंक्तियों से स्पष्ट है कि महापुरुषों को किसी धर्म विशेष की जागीर नहीं समझा जा सकता। असीम पर संकीर्णता के नियंत्रण के किसी भी प्रयास को धार्मिकता के नजरिये से नहीं देखा जा सकता बल्कि इसे राजनैतिक स्वार्थ सिद्धि व संकीर्णता का प्रतीक ही माना जाएगा। भजन रचयता रमेश ने अपने प्रसिद्ध राम भजन में भी यही उल्लेख किया है कि -घट घट में राम समाना।

सम्पादकीय अनलॉकिंग की चुनौती

आज अनलॉक-तीन ऐसे समय में क्रियान्वित हो रहा है जब बीते 24 घंटे में पचपन हजार संक्रमण के मामले सामने आए और कुल संक्रमितों का आंकड़ा सवा सोलह लाख से ज्यादा हो गया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होते ही अचानक संक्रमण की दर में अप्रत्याशित तेजी आई है। निरूसंदेह लॉकडाउन के चार चरणों के बाद लोगों की सक्रियता बढ़ी है और संक्रमण की दर भी जो हमें चिंताजनक आंकड़ों से रूबरू करा रही है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमने अनलॉक की प्रक्रिया बिना तैयारी के शुरू की है? क्या हम चार चरणों के लॉकडाउन से संक्रमण रोकने के लक्ष्य हासिल कर पाये हैं? क्या केंद्र व राज्य सरकारों ने लॉकडाउन के दौरान कोरोना से युद्धस्तर पर लड़ने के लिये पर्याप्त तैयारी कर ली थी? क्या चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा सका है? एक हकीकत यह भी है कि देशघ्में अब टेस्टिंग, ट्रैकिंग तथा ट्रीटमेंट अभियान में तेजी आई है। रोज छह लाख टेस्टिंग का दावा किया जा रहा है, जिसे प्रतिदिन दस लाख करने का लक्ष्य रखा गया है। निस्संदेह जांच का दायरा बढ़ने से संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। सवाल यह है कि टेस्टिंग-ट्रैकिंग के बाद हम पीड़ितों को पर्याप्त ट्रीटमेंट दे पा रहे हैं? निस्संदेह चार चरणों के लॉकडाउन के बाद सामान्य स्थिति बहाल करने की जरूरत थी ताकि महीनों घरों तक सीमित रहे लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। यानी जान के साथ जहान को भी तरजीह देने की जरूरत थी। वह भी ऐसी अवस्था में जबकि हमारी अर्थव्यवस्था लॉकडाउन के चलते बुरी तरह से लड़खड़ाई हुई थी। निस्संदेह अब धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है। लेकिन सवाल यह उठता है कि अनलॉक-तीन में जरूरी राहत तो ठीक है लेकिन क्या जिम खोलने का निर्णय जरूरी था? जिमों की अधिकांश गतिविधियों में मास्क लगाना भी संभव नहीं होता। क्या इससे संक्रमण बढ़ने की आशंका नहीं बनेगी? दरअसल, देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में जैसी तेजी आ रही है, उसके मद्देनजर जहां सरकारों को सतर्क रहने की आवश्यकता है, वहीं जनता को भी किसी तरह की लापरवाही से बचने की जरूरत है। यह बात अलग है कि कुछ राज्यों में आई बाढ़ ने ऐसी विकट स्थितियां पैदा कर दी हैं कि सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना कठिन हो रहा है। मगर सामान्य स्थिति वाले राज्यों में बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है क्योंकि अभी कोरोना का संकट टला नहीं है। अनलॉक की प्रक्रिया सिर्फ जरूरी आवश्यकताओं को ध्यान में रख शुरू की गई है, इसे जीवन को स्वच्छंद बनाने के अवसर के तौर पर नहीं लिया जाना चाहिए। कहना मुश्किल है कि महामारी कब तक कहर बरपाती रहेगी, लेकिन उम्मीद है कि साल के अंत तक कारगर वैक्सीन आने के बाद जीवन पटरी पर लौट सकेगा। महाराष्ट्र और तमिलनाडु आदि राज्यों ने लॉकडाउन को बढ़ाया है, कुछ अन्य राज्य भी कुछ समय तक लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने की जरूरत महसूस कर रहे हैं। त्रिपुरा में भी लॉकडाउन चार अगस्त तक बढ़ाया गया है। राज्यों की जरूरतों के हिसाब से सरकारों को फैसले लेने चाहिए। खासकर कन्टेनमेंट जोन में तो किसी भी तरह की कोताही समाज के हित में नहीं कही जा सकती। इसमें जहाघ् प्रशासन को सख्ती बरतनी चाहिए, वहीं लोगों को जिम्मेदारी का अहसास होना चाहिए। निस्संदेह चरणबद्ध अनलॉकिंग प्रक्रिया का मूल्यांकन होना चाहिए कि कहीं चूक से संक्रमण तो नहीं बढ़ रहा है। राहत जरूरी है, मगर छूट का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। नागरिकों का आर्थिक, सामाजिक व मनोवैज्ञानिक कल्याण तो हो, मगर ये छूट संक्रमण की वाहक न बने। रात का कर्फ्यू हटाने के निहितार्थों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि यह कहीं स्वच्छंदता का वाहक न बन जाये। साथ ही आने वाले दिनों में स्वतंत्रता दिवस समारोहों को भी हालात के मद्देनजर सिर्फ प्रतीकात्मक रूप में ही मनाया जाये ताकि संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सके।

रोजगार और जीडीपी की नेगिविटी

कोरोना 19 के चलते 80 प्रतिशत देशों की स्थिति असामान्य हुई है। जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए भारत की स्थिति रोजगार और जीडीपी को लेकर जिस तरह से नेगिविटी है वह अब ज्यादा लम्बे समय तक देश के साथ जनहित में नही रहेगी। इसके जो दूखःद संकेत है वह अभी व्यापक स्तर पर भले ही न दिखाई पड़ रहे हो लेकिन पिछले लगभग पॉच माह की अस्थिरता ने देश को लगभग पॉच वर्ष पीछे धकेल दिया है। इस मामले में भले ही सरकार दावे और जनसुविधा, आत्मनिर्भरता का बयान देकर जनसामान्य के तनाव को कम करने की कोशिश कर रही हो लेकिन वास्तविकता यह है कि यह दौर अब लम्बे समय तक नही खीचा जा सकता। सरकार के सामने निश्चित तौर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने और जीडीपी को नियत्रंण रखने के अलावा विदेशी मोर्च पर अपने आप को स्थापित रखने जैसे तमाम परिस्थितियों से दो चार होना पड़ रहा है, लेकिन अब भारत सरकार के सामने रोजगार के अवसरों की तेजी से बढ़ोत्तरी और जीडीपी को स्थिर रखना प्राथमिकता में शामिल करना होगा। हाल में जीडीपी और बेरोजगारी की जो रिपोर्ट सामने आई है वह इस बॉत का संकेत है कि अब सरकार को इसें सामान्य स्थिति में लाने के लिए देश के सार्वजनिक उपक्रमों को अपने ही नियत्रंण में रखकर उसमें सभी कानूनी प्राविधानों को निहित करते हुए 20 से 25 और अधिकतम 50 हजार रूपये महीने के वेतनमान पर नियुक्तियॉ कर देनी चाहिए। एक लाख, दो लाख के वेतनमान के पदों को समाप्त करते हुए इस सार्वजनिक उपक्रमों को चलाकर जहॉ सरकार अधिकाधिक संख्या में रोजगारो का सृजन कर पाएगी वही दूसरी ओर सरकार के ऊपर उद्योगपतियों से साठगांठ और सरकारी सम्पत्तियों के निजीकरण के लग रहे आरोपों से उसे मुक्ति मिल सकती है। यही नही देश के जिन उपक्रमों को लेकर निजीकरण की प्रक्रिया चल रही है उसमें कार्यरत कर्मचारियों को घाटे का हवाला देते हुए नियत वेतन के आधार पर रखा जाए तथा नई नियुक्तियॉ निर्धारित मानदेय पर की जाए। गत दिवस कोरोना वायरस संकट के बीच देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए आज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई बड़े ऐलान किए। तीन दिनों तक चली रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में देश की जीडीपी से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, कोरोना वायरस की मार के बाद अब देश की इकोनॉमी ट्रैक पर लौट रही है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इकोनॉमी अब भी कमजोर है। हालांकि, विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़त का सिलसिला जारी है। कोरोना काल में भारत की जीडीपी ग्रोथ पर बात करते हुए आरबीआई गवर्नर ने एक बार फिर कहा है कि वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी ग्रोथ रेट निगेटिव रहेगी। उन्होंने कहा, सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए वर्ष की पहली छमाही में जीडीपी वृद्धि कम रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का स्पष्ट मानना है कि भारत में भी आर्थिक गतिविधियों में सुधार होना शुरू हो गया था लेकिन फिर से कोरोना मामलों की बढ़ती संख्या ने लॉकडाउन करने पर मजबूर कर दिया है। इसके चलते अर्थव्यवस्था में रिकवरी की उम्मीदों को झटका लगा है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोविड-19 की वजह से इस साल की पहली छमाही में महंगाई दर में वृद्धि की उम्मीद है। हालांकि, दूसरी छमाही में इसमें कमी आने की उम्मीद है। गौरतलब है कि देशभर से कोरोना वायरस के प्रतिदिन सामने आ रहे नए केस अब अमेरिका और ब्रजील से भी अधिक हो गए हैं। इसके चलते देश में कई स्थानों पर फिर से सख्त लॉकडाउन लगाना पड़ा है। गवर्नर ने आगे कहा, इस साल जून में वार्षिक महंगाई दर मार्च के 5.84 फीसदी के मुकाबले बढ़कर 6.09 फीसदी रह गई, जो केंद्रीय बैंक के मीडियम टर्म टारगेट से अधिक है, आरबीआई का टारगेट दो से छह फीसदी है। उन्होंने कहा, हम ग्रोथ में तेजी लाने के लिए भरपूर प्रयास कर रहे हैं, हमारी कोशिश है कि कोरोना के असर के असर को कम से कम किया जाए। दूसरी तरफ हम बेरोजगारी की बॉत करे तो इन लगभग पॉच माहों में बेरोजगारी अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुकी है, एक दो नही बल्कि 78 प्रतिशत लोगों ने बेरोजगारी की वर्तमान स्थिति को चिन्ताजनक बताया है। यही नही भरतीय रिजर्व बैंक की तरफ से सर्व में बेरोजगारी को लेकर चौकाने वाले आकड़े सामने आए है, देश के 13 शहरों के 5,342 परिवारों से इस सर्वे में बॉत की गई जिसके आधार पर 78 प्रतिशत लोगों ने बेरोजगारी की खतरनाक स्थिति बताई है। जबकि जुलाई 2019 में लगभग 38 प्रतिशत तो मार्च 2020 में 52 प्रतिशत, मई 2020 में 68 प्रतिशत लोगों ने रोजगार की स्थिति को खराब बताया था। अब प्रश्न यह उठता है कि एक साथ कई मोर्च पर लड़ रही केन्द्र सरकार जीडीपी और बेरोजगारी के मोर्चे का सामना कैसे करे तो इसके लिए सरकार को निजी क्षेत्रों के अनुसार अपने उपक्रमों और सरकारी विभागों को संचालित करना होगा। सरकारी विभागों के विलासी खर्चे, सुविधाओं पर खर्च होने वाली भारी भरकम धनराशि, भ्रष्टाचार की समाप्ति के साथ इन्ही उपक्रमों, विभागों में खाली पड़े पदों को नियत वेतनमान में भर्ती कर रोजगार के अवसर जुटाने होगे। रही बॉत ठेका प्रणाली की तो इसके अब तक परिणाम बहुत अच्छे नही रहे है, अफसरों की अनदेखी के चलते ठेका प्रणाली शोषणा का अस्त्र बन चुकी है जिससे सरकार को रोजगार देने के बाद भी बदनामी का सामना करना पड़ रहा है। देश की जनता इस बॉत पर भी खुश है कि भारत के उद्योगपति मुकेश अंबानी विश्व के चौथे बड़े अमीर है। लेकिन उसकी चिन्ता यह भी है कि जब भारत का एक उद्योगपति इस निराशाजनक आर्थिक दौर में लगातार अपनी पूंजी में गुणोत्तर वृद्धि दर्ज करा रहा है तो भारतीय उपक्रम लगातार घाटे में क्यो जा रहे है ? क्या भारत के नौकरशाह और सरकार के सलाहकार नकारे और निकम्मे है ? क्या देश के सार्वजनिक उपक्रमों को जानबूझकर कौडियों के भाव बेचे जाने की साजिश चल रही है। हालॉकि कई आरो प्रत्यारोप है इसके बावजूद सरकार को अब जीडीपी और बेरोजगारी के मुद्दे पर करो या मरों की रणनीति अपनानी चाहिए।

ऐसे जानवरों का इलाज होना चाहिए

हां जी मैं इन्हें इंसान तो कह ही नहीं सकती क्योंकिजानवर दरिन्दे हैं, जो 13 साल की मासूम बच्ची को भी नहीं छोड़ते। अब इसे उस 13 साल की बच्ची की बदकिस्मती कहिए या कानून व्यवस्था को दोष दीजिए लेकिन उसके साथ दरिंदगी के साथ रेप किया गया और फिर यह जानवर भाग निकला। पीरागढ़ी इलाके में पिछले बुधवार को हुई इस दिल को हिलाकर रख देने वाली घटना ने पूरे देश और दिल्ली को हिलाकर रख दिया। एक शातिर अपराधी पश्चिम विहार जैसे पोश इलाके के साथ स्थिति पीरागढ़ी में चोरी के इरादे से घुसता है और 13 साल की बच्ची को अकेला देखकर उसके साथ बलात्कार करता है। इसके बाद उस पर ताबड़तोड़ हमले करता है। अब इस बच्ची की हालत एम्स में बहुत गंभीर बनी हुई है। दो बार इस बच्ची की सर्जरी हो चुकी है। बच्ची आईसीयू में है। हे भगवान, हे राम, इस बच्ची को बचा लो, यह बात अलग है कि इस वारदात के बाद दिल्ली पुलिस ने 48 घंटे बाद आरोपी को पकड़ लिया। जिसका बैकग्राउंड क्रिमिनल है। अब इस घटना को एक तरफ रख दीजिए और 2012 की 16 दिसंबर की उस काली रात को मेडिकल छात्रा निर्भया से हुए उस रेप को याद कर लीजिए। उसके अपराधियों को फांसी देने में आठ साल लग गए। केजरीवाल सरकार या केंद्र सरकार हो, हर कोई चिंतित है। पुलिस ने गुनहगार को पकड़ लिया है। हो सकता है, अब केस चलने के बाद उसे भी निर्भया के बलात्कारियों की तरह फांसी की सजा सुना दी जाए लेकिन बात इंसाफदेने की नहीं है बल्कि अहम सवाल दिल्ली की बच्चियों या अन्य स्कूली स्टूडेंटस या कॉलेज छात्राओं, अन्य कामकाजी महिलाओं के यौन शोषण की घटनाओं का है। ये सब सुरक्षित क्यों नहीं हैं। महिला सुरक्षा कब सुनिश्चित की जाएगी? यहां इस बच्ची के केस में उसके माता-पिता की गरीबी और लाचारी की दर्द भरी कथा है। मां-बाप और बड़ी बहन सब फैक्ट्री में काम करने चले जाते हैं और इसका फायदा उठाकर बच्ची को घर में अकेला पाकर उसके साथ रेप और प्राइवेट पार्ट पर कैंची से हमला किया गया। हे भगवान, ऐसे राक्षस आज के कंप्यूटर युग में हैं। ऐसी हालत को देखकर कई बार ऐसा लगता है कि कई खाड़ी देशों में किसी महिला की इज्जत से खिलवाड़ करने वालों को जब सार्वजनिक तौर पर पत्थरों से मार दिया जाता है तो यह सही लगता है। हम इस पाषाण युगीन न्यायिक प्रथा का समर्थन तो नहीं करते लेकिन गुनहगार को तुरंत सजा की सिफारिश जरूर करते हैं। इसके साथ ही यह केस निर्भया की तर्ज पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए, साथ ही अपील यह भी है कि फैसला आते ही इसे तुरंत क्रियान्वित कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि देरी से घ्मिला न्याय किस काम का? सारा सोशल मीडिया इस रेप की घटना को लेकर बेचौन है। हालांकि मुख्यमंत्री केजरीवाल साहब ने पीडिता के परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त किया है और उन्होंने परिवार को 10 लाख की आर्थिक मदद का ऐलान भी किया है। मेरा फिर भी मानना है कि अपनी सुरक्षा समाज में हर व्यक्ति का, हर परिवार का सामाजिक ही नहीं कानूनी अधिकार भी है। महिलाओं को कई आरएसएस संगठनों की ओर से शस्त्र महिला ट्रेनिंग का समर्थन मैं करती हूं। लेकिन यह भी एक कड़वा सच है कि छेड़छाड़ की घटना पर पुलिस को लंबी-चौड़ी कागजी कार्यवाही से बचते हुए शिकायत करने वाले के साथ खड़ा होना चाहिए। लोगों का दिल जीतना है तो पुलिस को उनके साथ अपनेपन का व्यवहार करना चाहिए। पुलिस आपकी दोस्त है, यह कागजों में लिख देना ही काफी नहीं है। हमारी केन्द्र सरकार से मार्मिक अपील है कि रेप जैसी अन्य घटनाओं जैसे केसों में तुरंत एक्शन वाली व्यवस्था होनी चाहिए। हैदराबाद में महिला डाक्टर से रेप करने वाले दरिंदों का अगर एनकाउंटर कर दिया जाता है तो लोगों का पुलिस पर विश्वास बढ़ता है और पुलिस कर्मचारियों पर फूलों की बरसात होती है। बिकरू कांड में 8 पुलिस कर्मचारियों के हत्यारे विकास दुबे का भी एनकाउंटर हुआ तो इन पुलिस वालों का लोगों ने स्वागत किया था। तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख वाली व्यवस्था नहीं, ताबड़तोड़ इंसाफ वाली व्यवस्था की आज देश और दिल्ली को सबसे ज्यादा जरूरत है। महिला सुरक्षा पर करोड़ों का बजट एलोकेशन ठोस व्यवस्था नहीं है। घर, बाजार और दफ्तर में महिलाओं की सुरक्षा का फर्ज किसका है? देश की अलग-अलग अदालतों में बलात्कार और यौन अपराध के 30 लाख से ज्यादा केस पेंडिंग हैं, इन पर न्याय कब होगा? गुनहगार में कानून और पुलिस का खौफ स्थापित हो जाए और कालोनियों में लोग एक-दूसरे से जुड़कर, मिलकर रहें। महिलाएं दुर्गा और भवानी बनकर रहना सीख लें और इधर देश गुनहगार को तुरंत सजा सुनिश्चित कर दे, हमें ऐसी व्यवस्था की जरूरत है। हे राम, हे कृष्ण आपने धरती पर नारी अस्मिता की खातिर मानवता का कल्याण किया है। अब इस धरती पर दरिन्दों को सजा दो, यह एक प्रार्थना है, पर लोकतंत्र में सजा का प्रावधान है, जिसे लागू किया जाए। और ऐसे बहुत से जानवर जो महिलाओं और लड़कियों का शोषण अलग-अलग तरीके से करते हैं, चाहे वो रेप हो या उसे किसी तरह से दबाने की कोशिश हो, ऐसे जानवरों को सजा मिलनी चाहिए, इनका इलाज होना चाहिए।

वीवो के साथ आईपीएल टाइटल स्पॉन्सरशिप निलंबन सिर्फ एक झटका, वित्तीय संकट नहीं: सौरव गांगुली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टाइटल प्रायोजन करार के निलंबित होने को महज एक झटका करार दिया है। इसके साथ गांगुली ने उन चर्चाओं को खारिज किया है जो इसे वित्तीय संकट उत्पन्न होने वाला बता रही हैं। बीसीसीआई और वीवो ने भारत और चीन की सीमा पर हुई सैनिकों की भिड़ंत के कारण चीनी उत्पादों के बहिष्कार करने की बातों के चलते 2020 आईपीएल के लिए अपनी भागीदारी निलंबित करने का फैसला किया, जो 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हो रही है। टाइटल प्रायोजन आईपीएल के व्यवसायिक राजस्व का अहम हिस्सा है, जिसका आधा भाग सभी आठों फ्रेंचाइजी में बराबर बराबर बांटा जाता है। वीवो ने 2018 से 2022 तक पांच साल के लिए 2190 करोड़ रुपये में (प्रत्येक वर्ष 440 करोड़ रूपए) आईपीएल टाइटल प्रायोजन अधिकार हासिल किए थे। सौरव गांगुली ने शैक्षिक किताबों के प्रकाशक एस चंद ग्रुप द्वारा शनिवार को आयोजित वेबिनार के दौरान कहा, मैं इसे वित्तीय संकट नहीं कहूंगा। यह महज छोटा सा झटका है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई बहुत मजबूत संस्था है - बीते समय में खेल, खिलाड़ियों, प्रबंधकों ने इस खेल को इतना मजबूत बना दिया है कि बीसीसीआई इन सभी झटकों से निपटने में सक्षम है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, आप अपने अन्य विकल्प खुले रखते हो। यह इसी तरह है जैसे पहली योजना और दूसरी योजना। समझदार लोग ऐसा करते हैं। समझदार ब्रांड ऐसा करते हैं। समझदार कॉरपोरेट ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा, आप इसे एक ही तरीके से कर सकते हो कि आप कुछ समय के बाद पेशेवर रूप से मजबूत हो जाओ। बड़ी चीजें रातों रात हासिल नहीं की जातीं। और बड़ी चीजें रातों रात नहीं चली जातीं। लंबे समय के लिए आपकी तैयारियां आपको नुकसान के लिए तैयार रखती हैं और आपको सफलता के लिए तैयार रखती हैं। सौरव गांगुली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के शुक्रवार को भारत को 2021 पुरुष टी20 विश्व कप के मेजबान बरकरार रखने के फैसले के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, भारत को 2021 और 2023 विश्व कप की मेजबानी अधिकार दिए गए थे, इसलिए इसमें बड़ा बदलाव नहीं हुआ। हां, कोविड-19 ने सभी को सतर्क रखा, लेकिन यह ऐसा ही है।

सहवाग ने युजवेंद्रा चहल को अलग अंदाज में विश किया, लिखा- आपदा को अवसर में बदल दिया

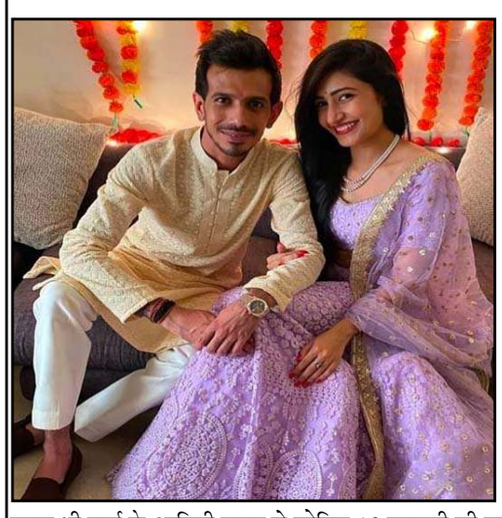

टीम इंडिया के लेग स्पिनर युजवेंद्रा सिंह चहल ने शनिवार को धनश्री वर्मा के साथ सगाई कर ली और उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी। ये दोनों एक-दूसरे को काफी अरसे से जानते हैं और अक्सर इंस्टाग्राम पर बातचीत करते रहते हैं। चहल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और उनके सगाई करने के बाद उन्हें टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, रोहित शर्मा समेत कई अन्य क्रिकेटरों और फैंस ने बधाईयां दी। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी उन्हें विश किया, लेकिन उनका अंदाज सबसे जुदा रहा। सहवाग चहल के साथ हरियाणा स्टेट टीम के लिए ड्रेसिंग रूम शेयर कर चुके हैं। सहवाग ने चहल को फनी अंदाज में बधाई देते हुए लिखा कि, आपदा को अवसर में बदल दिया, बधाई। युजवेंद्र चहल भी मार्च के आखिरी सप्ताह से कोविड 19 महामारी की वजह से क्रिकेट से दूर हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान वो टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन ये सीरीज कोरोना महामारी की वजह से स्थगित कर दिया गया था। अब वो इस साल विराट कोहली की अगुआई में आइपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर बैंगलोर के लिए खेलते नजर आएंगे। इस साल आइपीएल का आयोजन यूएई में 19 सितंबर से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। चहल ने धनश्री के साथ सगाई की है और उनकी होने वाली जीवन साथी पेशे से डॉक्टर हैं साथ ही वो कोरियोग्राफर व यूट्यूबर भी हैं। सोशल मीडिया पर उनके फॉलोवर की तादाद काफी ज्यादा है। चहल पिछले कई सीजन से आरसीबी का हिस्सा हैं और ये इस टीम के मुख्य गेंदबाजों में शुमार हैं। उन्होंने पिछले साल यानी 2019 में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और कुल 18 विकेट झटके थे। हालांकि उनकी टीम विराट की कप्तानी में अब तक एक बार भी आइपीएल खिताब नहीं जीत पाई है।

जसप्रीत बुमराह का क्रिकेट करियर ज्यादा लंबा नहीं चलेगा, शोएब अख्तर ने किया दावा

जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की पेस गेंदबाज अटैक के अगुआ हैं और बेहद कम वक्त में उन्होंने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में अपनी उपयोगिता साबित की है। बुमराह अपनी सटीक यॉर्कर और अलग गेंदबाजी एक्शन के लिए जाने जाते हैं। अब उन्हें लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का कहना है कि टीम इंडिया के इस युवा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का क्रिकेट करियर ज्यादा लंबा नहीं चलने वाला है। उन्होंने कहा कि बुमराह क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में खेल रहे हैं और उनका जिस तरह का उनका गेंदबाजी एक्शन है उसकी वजह से उन्हें तीनों प्रारूप में नहीं खेलना चाहिए। उन्होंने कहा उनका गेंदबाजी एक्शन ऐसा है जिसमें इंजर्ड होने की संभावना ज्यादा रहती है। शोएब अख्तर ने पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा के साथ यूट्यूब चैनल आकाशवाणी पर तेज गेंदबाजों को लेकर अपनी राय दी साथ ही साथ उन्होंने गेंदबाजी से जुड़े कई अन्य महत्वपूर्ण पहलूओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह काफी फोकस्ड और कड़ी मेहनत करने वाले गेंदबाज हैं। ये उनकी हिम्मत ही है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भी अपनी क्षमता दिखाई है और वो अपनी गेम से साथ पूरा न्याय करते हैं। उनकी तरह प्रतिभाशाली गेंदबाज सदियों में सामने आता है। ऐसे में भारतीय टीम मैनेजमेंट को उन्हें सही तरह से मैनेज करने की आवश्यकता है। शोएब अख्तर ने इस चैट के दौरान जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, पैट कमिंस व जोफा आर्चर जैसे गेंदबाज की फिटनेस व एक्शन के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि पैट कमिंस को भी इंजरी का सामना करना पड़ा था, लेकिन वो इससे काफी अच्छी तरह से बाहर आए और अब अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं बुमराह के बारे में उन्होंने कहा कि वो तीनों प्रारूप में खेलते रहे तो उनका करियर छोटा हो जाएगा। उनकी गेंदबाजी एक्शन फ्रंट ऑन है जिसकी वजह से गेंदबाजी करते हुए उनके शरीर का सारा भार उनकी कमर पर पड़ता है। कुछ दिनों पहले बुमराह को बैक इंजरी हुई थी और इसके पीछे का कारण उनका गेंदबाजी एक्शन ही था।

विराट की तरह ही आक्रामक कप्तान हैं धौनी, कोहली की तरह वो सिर्फ ऐसा नहीं करते हैं

धौनी ने भारतीय क्रिकेट को जो कुछ दिया उसकी बराबरी करना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। धौनी टीम इंडिया के महान कप्तान में शुमार किए जाते हैं जिनकी अगुवाई में भारतीय टीम की सफलता की कहानी पूरी दुनिया जानती है। एम एस धौनी अपने शांत और कलेक्टिव अप्रोच के लिए जाने जाते हैं और उनकी यही बात उन्हें दूसरों से अगल बनाती है। धौनी स्वभाव से शांत जरूर थे, लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि वो आक्रामक कप्तान नहीं थे। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व नेशनल सेलेक्टर गगन खोड़ा ने हाल ही में एक लाइव चैट के दौरान धौनी के लीडरशिप क्वालिटी के बारे में बताया। एक स्पोर्ट्स वेबसाइट के साथ बात करते हुए बताया कि धौनी के शांत रहने की वजह से लोग किस तरह से भ्रमित हो जाते थे कि वो आक्रामक नहीं हैं। खोड़ा को बीसीसीआइ ने साल 2015 में नेशनल सेलेक्टर बनाया था और उन्होंने भारतीय टीम के साथ काम करते हुए धौनी की कप्तानी को काफी करीब से देखा था। उन्होंने कहा कि कप्तानी में आक्रामकता के मामले में धौनी भी विराट कोहली के बराबर ही थे, लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान को पता था कि कब अटैक करना है कब नहीं। गगन खोड़ा ने कहा कि विराट कोहली बहुत आक्रामक हैं और धौनी ऐसे नहीं है, मैं इस बात पर विश्वास नहीं करता हूं। आक्रामक सिर्फ बोलकर ही नहीं हुआ जा सकता है। धौनी आक्रामक और सुरक्षित थे। आपको एक कप्तान के रूप में सुरक्षित रहना होगा। विराट कोहली आक्रामक हैं और सीख रहे हैं कि किस तरह से सुरक्षित रहना है। दोनों के बीत अंतर सिर्फ यही है कि धौनी वोकल नहीं हैं, लेकिन ये दोनों समान रूप से आक्रामक हैं। उन्होंने कहा कि एक कप्तान को स्थिति के अनुसार आक्रामक और रक्षात्मक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि धौनी में ये दोनों गुण हैं जो उन्हें इतना सफल बनाता है।

टीम इंडिया की किट स्पॉन्सर की रेस में हैं ये कंपनियां, नाइकी के साथ करार हो गया खत्म

जर्मनी की खेल सामान और फुटवियर निर्माता कंपनी प्यूमा भारतीय क्रिकेट टीम के किट प्रायोजन अधिकार खरीदने की दौड़ में सबसे आगे है, जबकि उसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी एडिडास भी इस रेस में शामिल हो सकती है। इसकी अभी पुष्टि नहीं हो सकी है कि नाइकी दोबारा बोली लगाएगा या नहीं। वह बीसीसीआइ की कम बोली लगाने की पेशकश ठुकरा चुका है। नाइकी ने 2016 से 2020 के लिए 370 करोड़ दिए थे। इसके अलावा नाइकी ने टीम को सारा सामान(हर तरह के कपड़े) भी उपलब्ध कराया था। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है, मैं इसकी पुष्टि करता हूं कि प्यूमा ने आइटीटी (निविदा आमंत्रण) दस्तावेज खरीदे हैं, जिनकी कीमत एक लाख रुपये है। हालांकि, इसे खरीदने का मतलब यह नहीं है कि वह बोली लगाने ही जा रहे हैं। प्यूमा ने बोली लगाने में वाकई दिलचस्पी दिखाई है। समझा जाता है कि एडिडास ने भी इसमें रुचि जताई है, लेकिन अभी यह पता नहीं चल सका है कि वह प्रायोजन अधिकारी के लिए बोली लगाएगा या नहीं। कुछ का मानना है कि जर्मन कंपनी मर्चेंडाइस उत्पादों के लिए स्वतंत्र रूप से बोली लगा सकती है, जिसके लिए अलग निविदा होगी। उत्पादों की बिक्री इस पर भी निर्भर करती है कि कंपनी के कितने एक्सक्लूसिव स्टोर या बिक्री केंद्र हैं। प्यूमा के 350 से ज्यादा एक्सक्लूसिव स्टोर हैं, जबकि एडिडास के 450 से ज्यादा आउटलेट हैं। एक विशेषज्ञ ने कहा, अगर कोई नई कंपनी पांच साल के लिए करीब 200 करोड़ रुपये की बोली लगाकर अधिकार खरीद लेती है तो कोई हैरानी नहीं होगी। यह नाइकी द्वारा चुकाई गई पिछली रकम से काफी कम होगी। उन्होंने कहा, बोर्ड ने पहले नाइकी को पेशकश की जो उसने ठुकरा दी। इसके मायने ये हैं कि या तो उसकी रुचि नहीं है या वह और कम दाम की बोली लगाना चाहता है। प्यूमा की पिछले कुछ साल में भारतीय बाजार में दिलचस्पी बढ़ी है, खासकर आइपीएल के जरिए और अब भारतीय कप्तान विराट कोहली व स्टार बल्लेबाज केएल राहुल इसके ब्रांड दूत हैं। बीसीसीआइ ने पिछले चक्र में प्रति मैच बोली की बेसप्राइज 88 लाख रुपये रखी थी, जो घटाकर 61 लाख रुपये कर दी गई है।

वसीम अकरम ने की अजहर अली की कप्तानी की आलोचना, कहा- मैच के दौरान कई बार प्लान से भटक गया

महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने पाकिस्तानी कप्तान अजहर अली के इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में लिए गए फैसलों की काफी आलोचना की और कहा कि वह यहां मेहमान टीम को मिली तीन विकेट की हार के दौरान कुछ दफा योजना से भटक गए। अकरम ने अली के फैसलों की आलोचना की कि उन्होंने तेज गेंदबाज नसीम शाह का इस्तेमाल अच्छी तरह नहीं किया, जिन्हें दूसरी पारी में 82 में से महज 13 ओवर के लिए इस्तेमाल किया गया। वसीम अकरम ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, इससे दुख होगा। इससे पाकिस्तानी टीम को नुकसान होगा और पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों को दुख होगा। उन्होंने कहा, जीतना और हारना क्रिकेट का हिस्सा है, लेकिन मुझे लगता है कि जहां तक उसकी कप्तानी का सवाल है तो हमारा कप्तान इस मैच के दौरान कई बार योजना से भटक गया। वसीम अकरम को लगता है कि जब इंग्लैंड की टीम ने 117 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे तब जरूरत थी कि बटलर पर दबाव बनाया जाए, जो टेस्ट टीम में स्थान बरकरार रखने को लेकर जूझ रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वोक्स को भी दबाव में लाना चाहिए था जो पिछले छह टेस्ट में महज 5.22 के औसत से रन बना पाए हैं। उन्होंने कहा, जब वोक्स आया था तो कोई बाउंसर नहीं थे, कोई शॉर्ट पिच गेंद नहीं थे, पाकिस्तान ने उन्हें क्रीज पर जमने दिया और फिर रन आसानी से बनने लगे।अकरम ने कहा, जब भागीदारी लगी तो कुछ नहीं हुआ, टर्न नहीं हुआ, स्विंग नहीं हुआ और बटलर और वोक्स ने मैच छीन लिया। वहीं, पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली ने तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लैंड की जीत का श्रेय जोस बटलर और क्रिस वोक्स की साझेदारी को देते हुए कहा कि उनकी टीम मौकों को भुनाने में नाकाम रही। अली ने मैच के बाद कहा, यह शानदार टेस्ट मैच था, लेकिन हारने वाली टीम होना निराशाजनक है।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने आईपीएल से पहले केकेआर को दी सलाह, बोले- युवा बल्लेबाज से कराओ ओपनिंग

केकेआर को आइपीएल 2020 में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल से ओपनिंग करानी चाहिए : डीन जोन्स

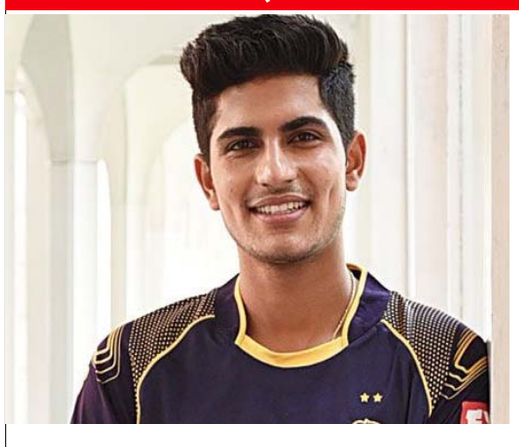

संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के लिए टीमें जल्द उड़ान भरेंगी। आइपीएल फ्रेंचाइजियां यूएई में ही प्लान बनाएंगी कि उनको कैसे लीग में आगे बढ़ना है। इस बीच ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और क्रिकेट कॉमेंटेटर डीन जोन्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स यानी केकेआर की टीम को एक बड़ा सुझाव दिया है। डीन जोन्स ने कहा है कि केकेआर को आइपीएल 2020 में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल से ओपनिंग करानी चाहिए। शुभमन गिल पहली बार 2018 में भारत के अंडर - 19 विश्व कप विजेता अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद सुर्खियों में आए थे। इसके बाद उनको भारत की वनडे टीम में जगह मिली थी और वे भारत के लिए खेले भी थे। हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम ने अभी उनको मौका नहीं दिया है, लेकिन टीम का हिस्सा हैं। घरेलू प्रदर्शन के आधार पर कोलकाता ने उनको आइपीएल नीलामी में खरीदा था और वे पिछले दो साल से केकेआर टीम का हिस्सा बने हुए हैं। हालांकि, उनके साथ नाइंसाफी हो रही है। एक टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज होने के बावजूद शुभमन गिल को केकेआर के लिए मध्य क्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ी है। हालांकि, उन्होंने टीम मैनेजमेंट को निराश नहीं किया है। अब पूर्व कंगारू खिलाड़ी डीन जोन्स का मानना है कि शुभमन गिल से केकेआर को ओपनिंग करानी चाहिए। जोन्स ने कहा है, ÷मैं शुभमन गिल को कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए ओपनिंग करते हुए देखना चाहता हूं। मुझे लगता है कि अब उनके लिए एक अवसर है और समय आ गया है कि टीम उसे टॉप ऑर्डर में खिलाए और उसे खेलने दे। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर क्रिस लिन अब केकेआर का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में शुभमन गिल को ओपनर के तौर पर प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। डीन जोन्स ने एक अंग्रेजी वेबसाइट से बात करते हुए ये भी स्वीकार किया है वे दिल्ली कैपिटल्स के रिषभ पंत को भी अच्छा प्रदर्शन करते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा है, मैं यह देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं कि ऋषभ पंत कैसे खेलते हैं। वह थोड़ा ऊपर-नीचे हो गए हैं और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह यह जानने का दबाव कैसे संभालते हैं कि धौनी वापसी कर रहे हैं।

अमित मिश्रा को टीम इंडिया में वापसी की उम्मीद, कहा- मैं सिर्फ आईपीएल के लिए नहीं खेल रहा

दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा हैट्रिक लेने वाले खिलाड़ी हैं। वह काफी लंबे वक्त से टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद अमित मिश्रा ने भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की उम्मीद नहीं खोई है। अमित मिश्रा भारत के लिए अंतिम टी-20 जनवरी 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले थे, लेकिन वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए लगातार खेलते रहे हैं। इस भारतीय लेग स्पिनर को अब भी उम्मीद है कि वह टीम इंडिया में वापसी करेंगे। क्रिकेट.कॉम से अमित मिश्रा ने कहा,निश्चित रूप से मैं वापसी करूंगा। मैं इसीलिए खेल रहा हूं। मैं सिर्फ आईपीएल के लिए नहीं खेल रहा। मेरी लड़ाई खुद मुझ से है। मुझे टीम इंडिया से वापसी के लिए तैयार रहना है। यह मेरा विश्वास है। मुझे उम्मीद है कि मुझे कॉल जरूर आएगी। अमित मिश्रा को साढ़े तीन साल हो गए हैं, जब उन्होंने भारतीय जर्सी पहनी थी। लेकिन वह कहते हैं कि वह पॉजिटिव बने रहने की कोशिश करते हैं। युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव टीम इंडिया की पहली पसंद हैं। रविचंद्रन श्विन और रवींद्र जडेजा भी मैनेजमेंट की पसंद में ऊपर हैं। यही वजह है कि अमित मिश्रा की वापसी की राह आसान नहीं होगी। अमित मिश्रा ने कहा, मैं नकारात्मकता से हमेशा दूर रहता हूं। कुछ लोग हैं, जो मुझे प्रेरित करते हैं। जब आपको सफलता नहीं मिलती तो हम नकारात्मक चीजों से घिर जाते हैं। ऐसे में स्व प्रेरणा बहुत जरूरी होती है। 37 साल के अमित मिश्रा यह स्वीकार करते हैं कि रिटायरमेंट का विचार उनके जेहन से निकल चुका है। वह आज भी भारतीय क्रिकेट के लिए मायने रखते हैं। आईपीएल 2020 संभवतः उनके लिए टीम इंडिया में वापसी का अंतिम मौका हो। उन्होंने कहा, उम्र आपकी परफॉर्मेंस को जज करने का आधार नहीं हो सकती।

सिर्फ एक गलती की वजह से पाकिस्तान ने गंवाया पहला टेस्ट, इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज पर 1-0 की बढ़त

इंग्लैंड को पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली

कहते हैं ना टेस्ट क्रिकेट बड़ा मुश्किल होता है। यहां एक सत्र पूरी कहानी बदल देता है। शुक्रवार तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला गया पहला टेस्ट मुकाबला पाकिस्तान की मुट्ठी में था। भले ही पाकिस्तान ने दूसरी पारी में दोयम दर्जे का प्रदर्शन किया हो, लेकिन कहते हैं जीत हासिल करना इतना आसान नहीं होता। कुछ ऐसा ही हुआ पाकिस्तान के साथ, जो पहले टेस्ट में जीत के सपने देख रहा था। पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच में मेजबान इंग्लैंड के सामने 277 रनों का लक्ष्य रखा। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने एक समय 117 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद जो हुआ वह मेजबान टीम को जीत का तोहफा दे गया, क्योंकि पाकिस्तान के एक विकेट नहीं लेने की वजह से इंग्लैंड की टीम यह मुकाबला तीन विकेट से अपने नाम करने में सफल हो गई और सीरीज में 1-0 से आगे हो गई। भोजनकाल के बाद बेन स्टोक्स नौ रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे। कुछ देर बाद ओली पॉप भी सात रन बनाकर चलते बने। पांच विकेट गिरने के बाद मेजबान टीम मुश्किलों से घिर चुकी थी। यहां एक बड़ी साझेदारी की जरूरत थी, जो टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा सके। यहां यह काम जोस बटलर और क्रिस वोक्स ने किया, जिनके प्रदर्शन पर अभी तक सवाल उठ रहे थे, खासकर बटलर जो विकेट के पीछे भी नाकाम हो रहे थे। दोनों ने छठे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी करके पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। हालांकि बटलर को 75 रन के निजी स्कोर पर यासिर ने एलबीडब्ल्यू कर दिया, लेकिन यह विकेट भी पाकिस्तान की जीत का सपना पूरा नहीं कर सका। वोक्स आसानी से अपनी टीम को जीत तक पहुंचा दिए। उन्होंने 120 गेंद में 10 चौकों की मदद से नाबाद 84 रन बनाए और इंग्लैंड को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त दिला दी। इससे पहले, इंग्लैंड की टीम को दूसरी पारी में पहला झटका तेज गेंदबाज मुहम्मद अब्बास ने दिया, जिन्होंने 22 रनों के कुल स्कोर पर रोरी बर्न्स को आउट किया। ब?र्न्स ने 28 गेंदों पर एक चौके की मदद से 10 रन बनाए। भोजनकाल तक डॉम सिब्ले 74 गेंदों पर तीन चौके की मदद से 26 और कप्तान जो रूट 31 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 18 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भोजनकाल के बाद इंग्लैंड की टीम ने दो अहम विकेट और गंवा दिए। सिब्ले लेग स्पिनर यासिर शाह की गेंद पर कैच थमा बैठे। सिब्ले ने 36 रन की पारी में चार चौके लगाए। कुछ देर बाद युवा तेज गेंदबाज नसीम शाह ने कप्तान रूट को चलता कर मेजबान टीम को तीसरा झटका दिया। रूट 84 गेंद में सात चौकों की मदद से 42 रन ही बना सके। यहां से मैच पूरी तरह से पाकिस्तान की ओर झुकने लगा। वहीं, पाकिस्तान ने चौथे दिन की शुरुआत आठ विकेट के नुकसान पर 137 रनों के साथ की थी। यासिर शाह ने अपने निजी स्कोर में 21 रन और जोड़े और 158 के कुल स्कोर पर पाकिस्तान के नौवें विकेट के तौर पर पवेलियन लौटे। यासिर का विकेट स्टुअर्ट ब्रॉड ने लिया। जोफा आर्चर ने नसीम शाह (4) को आउट कर पाकिस्तान की पारी का अंत किया। पाकिस्तान की दूसरी पारी में उसका कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं जमा सका। टीम के सर्वोच्च स्कोरर यासिर रहे, जिन्होंने 33 रन बनाए।

रोजर फेडरर न सिर्फ टेनिस में बल्कि क्रिकेट में भी हैं नंबर वन!

टेनिस की दुनिया के सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार रोजर फेडरर ने अपने जबरदस्त प्रदर्शन से पूरी दुनिया में अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग बनाई है. उनके नाम कई शानदार रिकॉर्ड हैं, जिसमें लगातार 10 ग्रैंड स्लैम फाइनल और लगातार 23 ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल मुकाबले खेलने का रिकॉर्ड शामिल है. वैसे फेडरर की उपलब्धियां गिनाने लगेंगे तो स्टोरी कुछ ज्यादा लंबी हो जाएगी, इसीलिए मुद्दे की बात पर आते हैं. आपको बता दें कि रोजर फेडरर टेनिस के साथ-साथ क्रिकेट में भी झंडे गाड़ चुके हैं, यानि क्रिकेट में भी फेडरर नंबर वन का खिताब हासिल कर चुके हैं. हैरानी की बात है, मगर सच है. वैसे ये हमारा नहीं खुद आईसीसी का कहना है.दरअसल, कुछ वक्त पहले फेडरर टेनिस कोर्ट पर क्रिकेट का एक शॉट खेलते हुए नजर आए थे. वैसे तो फेडरर 8 बार विंबलडन का खिताब अपने नाम कर चुके हैं, इसी वजह से पूरी दुनिया उन्हें बेस्ट टेनिस प्लेयर भी कहती है. लेकिन फेडरर क्रिकेट का शॉट भी इतना अच्छा खेल सकते हैं, इसका अंदाजा किसी को नहीं था. यहां आपको बता दें कि साल 2018 में फेडरर विंबलडन प्रतियोगिता के दौरान फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो के खिलाफ टेनिस कोर्ट पर उतरे थे, जहां रोजर ने अपने रैकेट से एक बेहतरीन शॉट खेला था, जिसे देखकर वहां मौजूद हर शख्स हैरान हो गया था और हर किसी को क्रिकेट की याद आ गयी थी.फेडरर के इस क्रिकेट शॉट को देख कर विंबलडन के अधिकारियों ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से आईसीसी को एक मैसेज करके क्रिकेट में फेडरर की रैंकिंग के बार में पूछा था, जिसके बाद आईसीसी ने भी फेडरर के लिए बेहतरीन ट्वीट करते हुए उन्हें क्रिकेट का नंबर वन खिलाड़ी बता दिया था. आईसीसी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर फेडरर की एक तस्वीर भी शेयर की थी. आईसीसी का ये पोस्ट देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था.।

प्रियंका और निक ने अपने परिवार में नए मेहमान का किया स्वागत

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस की जिंदगी में एक नया मेहमान आया है। इसके बारे में दोनों ने अपने फैंस के साथ जानकारी साझा की है। दरअसल उनके घर में नया रेस्क्यू डॉग आया है जिसका नाम पांडा है। इस डॉग के साथ प्रियंका और निक की फैमली बड़ी हो गयी है। इंस्टाग्राम पर पांडा की तस्वीर प्रियंका और निक ने साझा की। हालांकि जीनो और डायना दो डॉग प्रियंका के पास पहले से ही हैं और अब पांडा को उन्होंने गोद ले लिया है। इंस्टाग्राम पर निक और बाकी सभी डॉग्स के साथ प्रियंका ने तस्वीर साझा की और कैप्शन में लिखा, हमारी नई फैमिली फोटो। पांडा। हमने इस छुटकू को (जो ज्यादा दिनों तक छुटकू नहीं रहेगा) कुछ हफ्ते पहले गोद लिया था। हमें ठीक से नहीं पता लेकिन लगता है कि ये हस्की और ऑस्ट्रलियन शेपर्ड का मिक्स है। उनकी आंखे तो देखो। और कान भी!!! प्रियंका की डॉग डायना इस तस्वीर में बहुत अलग नजर आ रही हैं। डायना के बारे में बताते हुए प्रियंका ने कहा कि डायना उनके पास इस फोटोशूट के लिए नहीं थीं इसलिए अपने फैमिली फोटो के लिए उन्होंने डायना की तस्वीर को उसमें जोड़ दिया। निक जोनस के बड़े भाई केविन ने इस पर कमेंट करते हुए कहा, डायना को अच्छा एडिट करवाया है।अब तीन डॉग प्रियंका चोपड़ा के पास हो चुके हैं। प्रियंका ने बजफीड अमेरिका के क्रिज के दौरान सबसे पहले डायना को अडॉप्ट किया था। फिर उसके बाद जीनो डॉग जो जर्मन शेपर्ड है उसे पति निक जोनस के 26वें बर्थडे गिफ्ट के तौर पर प्रियंका घर लाई थीं। अब पांडा जिसको उन्होंने हाल ही में अडॉप्ट किया है। ऐसी खबरें आ रही हैं कि हॉलीवुड हस्कीज से प्रियंका और निक ने पांडा को गोद लिया है। आर्गेनाईजेशन हस्की और मिक्स ब्रीद के हस्की डॉग्स को यह बचाने का काम करती हैं। प्रियंका ने अपने पोस्ट में टैग भी आर्गेनाईजेशन को किया है।

अर्चना पूरण सिंह को कपिल शर्मा के शो के सेट पर छोड़ने गए पति परमीत

अर्चना पूरण सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी कई वीडियोज शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने पति परमीत के साथ एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में अर्चना बताती हैं कि परमीत उन्हें सेट पर छोड़ने जा रहे हैं। इसी बीच परमीत कहते हैं नौकर बीवी का। अर्चना फिर पुराने गानें चला देती हैं और परमीत के साथ मस्ती करती रहती हैं। वीडियो को शेयर करने के साथ अर्चना ने एक हैप्पी मैरिड लाइफ की शादी की खट्टी मीठी रेसिपी भी बताई है। अर्चना ने लिखा, थोड़ी सी नोकझोंक, %थोड़ी टांग-खिचाई और बहुत सारी हंसी, चुटकी भर एक साथ हंसिए। चम्मच पर अपने आप पर हंसिए फिर उस पर पुराने गानों का तड़का लगाएं। बस हैप्पी मैरिज तैयार%।बता दें कि हाल ही में परमीत, कपिल शर्मा के शो पर पहुंचे थे। इस दौरान परमीत ने मजाक करते हुए कहा था कि अर्चना ने मुझपर शादी का दबाव डाला था। मेरे पास कोई ऑप्शन नहीं था। अर्चना ने कहा कि परमीत झूठ बोल रहे हैं और इन्होंने मुझे शादी के लिए प्रपोज किया था। इसके बाद परमीत बताते हैं कि हमने रात में 11 बजे फैसला किया कि हम दोनों एक दूसरे से शादी करेंगे। हम रात में पंडित जी को ढूंढने निकले। फिर रात के 12 बजे एक पंडित मिले। उन्होंने फिर हमसे पूछा कि लड़की बालिग है या नहीं। तो मैंने उनसे कहा कि लड़की मुझसे ज्यादा बालिग है। इस दौरान कपिल, परमीत से पूछते हैं कि क्या अर्चना दिल से वेजिटेरियन हैं या आपने बोला? परमीत कहते हैं कि कहीं मुझे ना खा जाएं।

व्हाट्सएप ग्रुप दिशा की मौत से पहले का पर वीडियो शेयर

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत में आए दिन नए खुलासे हो रहे हैं जिसके बाद सुलझने के बजाए मौत की गुत्थी उलझती जा रही है। ऐसा ही कुछ साल दिशा सालियान जो एक्टर की पूर्व मैनेजर थीं उनकी मौत के साथ भी ऐसा ही होता दिख रहा है। हालांकि सोशल मीडिया पर दोनों की मौत को जोड़कर कई बड़े दावे हो रहे हैं। जिनको लेकर अब सामने दिशा के माता-पिता आएं हैं और इन अफवाहों को रोकने की अपील लोगों से उन्होंने की है। इसी बीच सोशल मीडिया पर दिशा का एक वीडियो वायरल हो रहा है और बताया जा रहा है कि मौत से कुछ वक्त पहले का यह वीडियो है। बताया जा रहा है कि जो पार्टी उन्होंने ने उस रात की थी तब का यह वीडियो है। उन्होंने उस रात यह वीडियो अपने दोस्तों के साथ बनाया था। अपने मंगेतर रोहन रॉय और करीबी दोस्तों के साथ दिशा ने यह पार्टी की थी और में वह इनके साथ नजर आ रही हैं। खबरों की मानें तो दिशा के दोस्तों के व्हाट्सएप ग्रुप पर इस वीडियो को शेयर किया गया है। पार्टी वाले दिन मलाड स्थित एक फ्लैट पर दिशा थीं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि ऋतिक रोशन की फिल्म मिशन कश्मीर के गाने रिंद पोशमाल पर दिशा दोस्तों के साथ डांस करती दिखाई दे रही हैं। मुंबई में बीते 9 जून को दिशा सालियान की मौत हुई थी। इस पर मुंबई पुलिस ने कहा कि बिल्डिंग के 14वें मंजिल से दिशा ने कूदकर अपनी जान दे दी थी। अब दिशा की मौत पर उनके माता-पिता ने सामने आकर बात की और कहा कि उनकी बेटी को बदनाम न किया जाए। दिशा के पैरेंट्स ने कहा, अपने फायदे के लिए हमारी बेटी को बदनाम मत कीजिए। उसके साथ मत खेलिए। वह हमारी इकलौती संतान थी। हमने हमारी इकलौती बेटी को खो दिया। अब लोग उसकी छवि को खराब कर रहे हैं। वह इस तरह से हमारा उत्पीड़न करके हमें मार देना चाहते हैं। हमारी भारत के लोगों से, सभी मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य सभी से कहना है कि सब कुछ गलत है। सभी खबरें फर्जी और सिर्फ अफवाह हैं। दिशा की मौत पर उनकी मां का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध है कि यह सब रोके, हम इस वजह से बुरी तरह से परेशान हैं। अब हमारे पास अपनी बेटी के खिलाफइन सभी फर्जी खबरों को सुनने की कोई ताकत नहीं बची है। पिछले कई दिनों से दिशा सालियान की मौत पर राजनेता भी बयान बाजी कर रहे थे जिस पर उनकी मां ने अपना गुस्सा जाहिर किया। दरअसल भाजपा के सासंद नारायण राणे ने दिशा सालियान की मौत पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उनके साथ पहले दुष्कर्म हुआ जिसके बाद उनकी मौत कर दी गयी। ऑटोप्सी रिपोर्ट का हवाला देते हुए नारायण राणे ने यह आरोप लगाए। दिशा और सुशांत की मौत को जोड़कर सोशल मीडिया पर दिखाया जा रहा है।

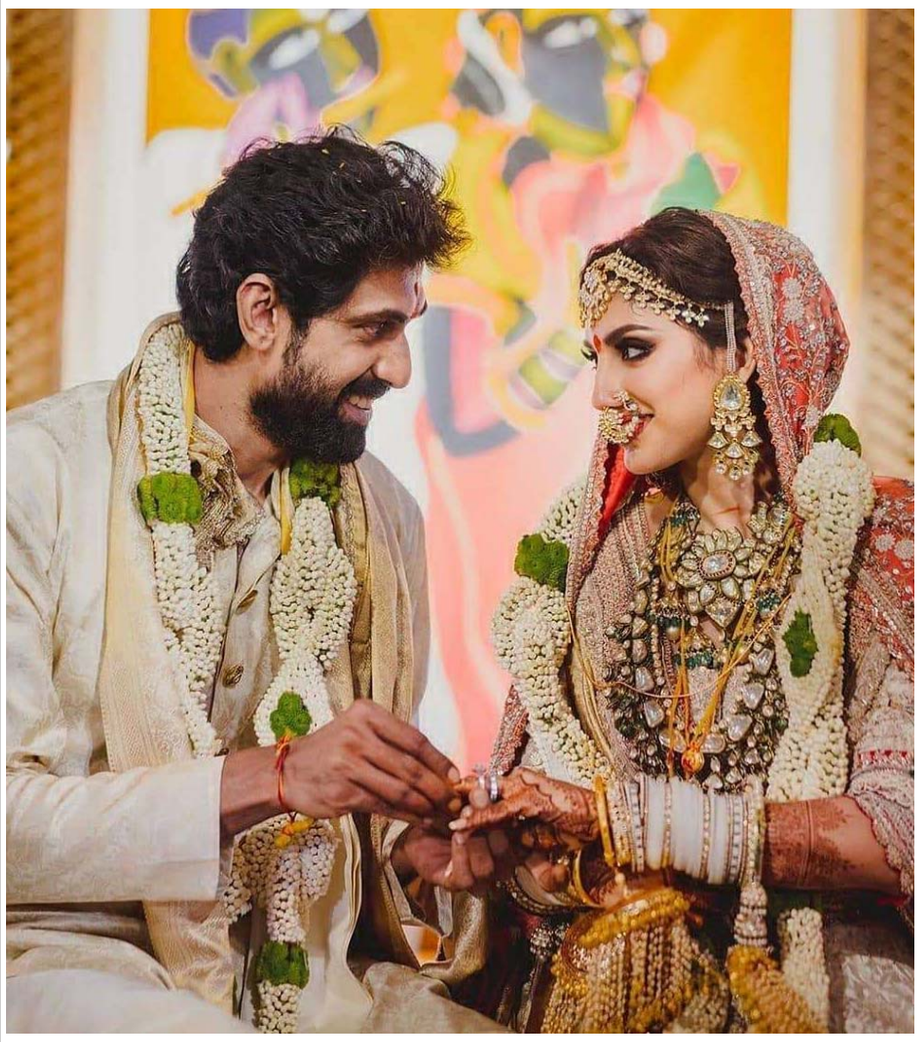

राणा दग्गुबाती ने मिहिका के साथ लिए सात फेरे

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार राणा दग्गुबाती ने अपनी गर्लफ्रेंड मिहिका बजाज के साथ सात फेरे लिए। हालांकि इस साल मई में दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले थे लेकिन कोरोना वायरस के चलते राणा और मिहिका ने 8 अगस्त को सात फेरे लिए। राणा दग्गुबाती और मिहिका बजाज बेहद खूबसूरत दूल्हा और दुल्हन के जोड़े में लग रहे थे। इस दौरान मिहिका ने अपने ब्राइडल लुक से सबका ध्यान अपनी तरफ खिंचा। बता दें कि अपनी शादी में छोटी से छोटी चीजों से बड़ी चीजों तक मिहिका बजाज ने प्लान करी थीं। इस वजह से हर पल उनके लिए बहुत खास था। ब्राइडल लुक भी मिहिका का बेहद आकर्षित था। इस दौरान क्रीम और गोल्डन कॉम्बिनेशन का लहंगा मिहिका बजाज ने पहना था। हालांकि बहुत ही बारीक तरीके से सुनहरी जरदोजी की उसपर कढ़ाई थी और उसी ने लहंगे को शानदार लुक दी। इसके अलावा मरून कलर भी लहंगे की वेस्ट और बॉर्डर पर लगा हुआ था। प्रिंसिस कट का ब्लाउज मिहिका ने पहना था और उनकी हाफ स्लीव्स थी। जरदोजी का वर्क उस पर भी था। मिहिका ने कोरल कलर का दुपट्टा सिर पर लिया हुआ था और जाली का वर्क लहंगे के मैच करते हुए धागे से हुआ था। साथ में गोल्डन और कोरल बॉर्डर वाला दुपट्टा मिहिका ने पहना हुआ था जिसे अपने कंधों पर उन्होंने डाला हुआ था। खासतौर पर उनके लुक को देखते हुए गहनों को डिजाइन किया था। हेवी नेकलेस, मैचिंग ईयररिंग्स, माथा पट्टी, नथ, हाथों में मिहिका ने कंगन और चूड़ियां भी लहंगे की मैच के पहने थे। अनकट डायमंड और पर्ल्स का इस्तेमाल गोल्ड बेस पर बनी पोल्की जूलरी में हुआ। हालांकि दूल्हे के लुक में बाहुबली के भल्लालदेव भी अपनी दुल्हन को पूरी टक्कर देते हुए नजर आए। इस शुभ अवसर पर सिल्क का क्रीम ऐंड गोल्डन मिक्स लॉन्ग कुर्ता और धोती राणा दग्गुबाती ने पहनी थी। गोल्डन बॉर्डर का अंगवस्त्र भी राणा ने इसके साथ पहना था। वैसे तो राणा का लुक सिंपल था लेकिन उसमें भी वह बहुत हैंडसम लग रहे थे। राणा और मिहिका की शादी में सिर्फ 30 लोग ही कोरोना वायरस के चलते शामिल हुए थे। शादी में परिवार की ही सभी लोग थे। हालांकि शादी में शामिल होने के लिए कोरोना टेस्ट लोगों का हुआ था जिसके बाद उन्हें आयोजन में शरीक होने पर मंजूरी मिली। तेलुगू और मारवाड़ी रीति-रिवाज से राणा और मिहिका ने शादी की। मिहिका और उनकी मां ने इस पूरी शादी का प्लान खुद किया था। ऐसा इसलिए किया गया ताकि वह पर्सनल टच इसमें दें पाएं। दिल्ली की एक कंपनी को काम डेकोरेशन आदि के लिए दिया गया था।

खुद के बचाव के लिए अब रिया ने शेयर किया सुशांत की डायरी का ये खास पेज,बोली- मेरे पास बस उसका...

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का केस अब सीबीआई के हाथ में है। वहीं दूसरी तरफशुक्रवार को ईडी ने सुशांत की कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती से कई घंटे की पूछताछ की। रिया के अलावा उनके भाई शौविक चक्रवर्ती, श्रुति मोदी जो कि रिया की बिजनेस मैनेजर और एक्ट्रेस के सीए रितेश शाह से भी पूछताछ की गई। वहीं अब मानों ऐसा मालूम हो रहा है कि रिया ने खुद को फंसता हुआ देखकर एक कदम उठाया है। जी हां दरअसल सुशांत की ग्रेटिट्यूड लिस्ट को रिया सामने लेकर आई है। पूछताछ के कुछ घंटो बाद रिया चक्रवर्ती ने सुशांत की डायरी का एक पन्ना और उनका सिपर की फोटो सोशल मीडिया पर साझा की। अब रिया की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि उस पन्ने में लिखी गयी सभी बातें सुशांत ने ही लिखी हैं। इतना ही नहीं रिया ने इसे सुशांत की ग्रेटिट्यूड लिस्ट होने का दावा किया है। रिया ने सुशांत की डायरी के एक पेज को भी सोशल मीडिया पर शेयर किया। जिसे उन्होंने सुशांत की ग्रेटिट्यूड लिस्ट होने का दावा किया है। इस कागज में लिखा है कि यह सुशांत की लिखावट है लिलू शोबिक है, बेबू मैं हूं, सर मेरे डैड हैं, मैम मेरी मां हैं, फज उनका कुत्ता है। छीछोरे लिखा अभिनेता का सिपर भी उनके साथ है। रिया ने दावा किया कि इस समय एकमात्र यही संपत्ति है जो सुशांत की उनके पास है। हालांकि यह नोट किस वक्त लिखा गया,इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। बता दें रिया ने अपने वकील के जरिये अपना ये डायरी का पेज शेयर किया है।
वैसे अब सुशांत केस को लेकर चल रही इस पूछताछ में ऐसे रिया का सुशांत की नोटबुक को सामने लाना कई तरह के सवालों को पैदा कर रहा है। इतना ही नहीं लोगों का इस पर कहना है ये रिया का नया ड्रामा शुरू हो गया खुद को सेफ रखने के लिए। वहीं ईडी को रिया से पूछताछ में कोई खास जानकारी हासिल नहीं हो पाई।

ग्रैटिट्यूड लिस्ट के बाद रिया ने सुशांत के साथ अपनी वॉट्सएप चौट की शेयर दिखाई दी बहन के साथ नाराजगी

सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड केस को लेकर आये दिन कई बड़े-बड़े राज का अब पर्दा फाश होते दिख रहा है। वहीं दिवंगत एक्टर के पिता केके सिंह ने रिया चक्रवर्ती पर एफआईआर दर्ज कर सारा मामला पलट दिया है। रिया अब तक कई सारे आरोपों के घेरे में है,ऐसे में अपनी बेगुनाही साबित करने में रिया भी जुटी हुई हैं। पहले सुशांत की ग्रैटिट्यूड लिस्ट शेयर की वहीं अब रिया के वकील ने सुशांत के साथ एक्ट्रेस की वॉट्सऐप चौट के स्क्रीनशॉट्स शेयर किए हैं। सुशांत और रिया के बीच जो वॉट्सऐप मैसेजे शेयर हुए थे वो कुछ ऐसे थे। पहले सुशांत ने लिखा तुम्हारा परिवार बहुत शानदार है। सर (रिया के पिता) बहुत सही हैं,शोविक सहानुभूति से भरा हुआ है और तुम भी जो कि मेरी हो, इन जरूरी बदलावों के पीछे तुम एक पर्याप्त कारण हो, तुम सभी के आसपास रहना मेरे लिए खुशी की बात होगी, चीयर्स मेरी मेरी, रॉकस्टार बनने के लिए। तुम प्लीज मुस्कुराती रहो, तुम इसमें बहुत अच्छी लगती हो, मैं अब सोने की कोशिश करता हूं, काश मुझे जमीला जैसा कोई सपना आए। कितना अच्छा होगा ना? टाटा...। वहीं इसके जवाब में रिया ने लिखा- हाहा...सो जाओ मेरे प्यारे लड़के...फ्लाइट लैंड करने के बाद तुम्हें कॉल करूंगी और उम्मीद है तुम चांद पर लैंड करोगे...सो जाओ स्वीट बाबा बॉय। बता दें ये चौट शाम के 6 बजकर 8 मिनट से 6 बजकर 14 मिनट के बीच हुई थी। इसके बाद रात 8 बजकर 5 मिनट पर रिया ने दोबारा सुशांत को मैसेज किया। रिया ने सुशांत के हाल चाल के बारे में पूछा, इसपर सुशांत ने जवाब दिया- अच्छा नहीं है...मेरी बहन अब सिड भाई को विक्टिम कार्ड खेलकर मैनिपुलेट कर रही है ताकि इस पूरी बात से ध्यान भटक कर (वही बात जिसे मैं और तुम पीछे छोड़ रहे हैं) मुझपर आ जाए कि मैंने फिजिकली पनिशमेंट उन्हें दी, ये बहुत निराशाजनक बात है। इसके बाद उसी रात सुशांत और रिया की चौटिंग 10.30 पर रात को हुई। पहले रिया ने कहा कि वह उसे मीटिंग के बाद कॉल करे,फिर सुशांत की ओर से जो जवाब आया वो था- (प्रियंका के लिए) तुम करो इसे, इस गिरी हुई हरकत के लिए, शराब के नशे में छेड़छाड़ में तुम विक्टिम कार्ड का गेम खेलकर उसे कवरअप करने की कोशिश कर रही हो। तो मेरी प्यारी बहन, वहां हमारी मां है और भगवान हैं, जिन्होंने मुझे सिखाया, और तुमने उस सीख के मुताबिक एक जुर्म किया है।

रिया चक्रवर्ती के कॉल रिकॉर्ड्स आए सामने, महेश भट्ट के अलावा आदित्य रॉय कपूर से भी करती थीं बातें

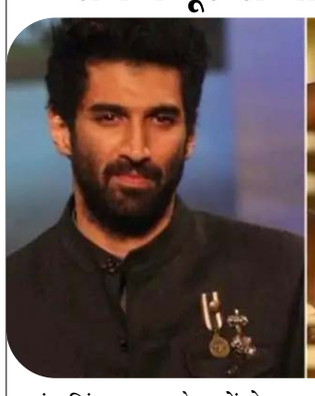

सुशांत सिंह राजपूत केस में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब ये मामला सीबीआई के हाथ में है और उन्होंने रिया चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसी बीच रिया के कॉल रिकॉर्ड्स सामने आए है। कॉल रिकॉर्ड्स के जरिए पता चला है कि रिया, महेश भट्ट और आदित्य रॉय कपूर के साथ टच में थीं। आईएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक साल में रिया ने अपने पिता से 1,192 बार बात की है। वहीं भाई से 1,069 बार बात की है। वहीं सुशांत से सिर्फ 145 बार बात की है। इसके अलावा उन्होंने महेश भट्ट से 16 बार बात की है जिसमें 7 बार इनकमिंग है। आदित्य रॉय कपूर से उन्होंने 23 बार बात की। टैलेंट मैनेजर उदय सिंह गौरी से 22 बार बात की। 4 बार सुशांत की बहन रानी से बात की और 287 बार सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा से बात की।
इतना ही नहीं, रिया ने सुशांत के दोस्तों से भी बात की है। उन्होंने सिद्धार्थ पिठानी को 100 बार कॉल किया और दीपेश सावंत को 42 बार।
बता दें कि हाल ही में रिया ने सुशांत की डायरी का एक पन्ना शेयर किया है। रिया ने सुशांत के डायरी के पन्ने की फोटो इंडिया टुडे के साथ शेयर की है। इसमें सुशांत ने रिया के परिवार का अपने जीवन में होने पर ईश्वर का आभार जताया था।

नेपोटिज्म की बहस में चंकी पांडे बोले

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिजम की बहस जारी है। इतना ही नहीं इस बहस में किसी को सबसे ज्यादा सामना करना पड़ रहा है तो वो कोई और नहीं बल्कि स्टारकिड्स हैं और इसी लिस्ट में अनन्या पांडे का नाम भी शामिल है। लेकिन बेटी के बचाव के लिये अब उनके पिता चंकी पांडे सामने आए हैं। तो क्या बोले इस विषय पर चंकी पांडे आइये जान लेते हैं। चंकी पांडे ने बेटी अनन्या पर शुरू से ही नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट होने की बात बताई। इस पर उन्होंने कहा कि वह एक डॉक्टर बनना चाहते थे क्योंकि उनके माता-पिता डॉक्टर थे, मगर ऐसा हुआ नहीं। चंकी ने बताया कि उन्होंने डॉक्टर बनने की कोशिश खूब करी,परन्तु वह असफल रहे। इसके बाद वो अभिनेता बन गए,उन्होंने कहा कि उनकी तरह उनकी बेटी ने भी खुद ही अपना करियर का फैसला लिया है।वहीं इनसाइडर-आउटसाइडर की बहस पर बात करते हुए चंकी का कहना है जब कोई भी स्टार अपनी पहली फिल्म साइन करता है, वह उसी समय इनसाइडर बन जाता है। इसके अलावा चंकी पांडे ने यह भी कहा कि आज भी फिल्म इंडस्ट्री में बाहर से आने वाले लोगों के लिए उतने ही मौके हैं जितने पहले हुआ करते थे।आगे चंकी पांडे ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री की उस समय उनकी किसी ने सिफारिश की थी और यह उस समय बॉलीवुड में बहुत बड़ी बात होती थी। अनन्या को टारगेट किए जाने को लेकर अभिनेता बोले कि उन्हें ऐसा लगता है कि अनन्या को इसके साथ ही जीना होगा और वह इस मामले में बहस में नहीं पड़ सकतीं। बताते चलें कि अनन्या पांडे ने साल 2019 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द इयर 2श् से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह कार्तिक आर्यन की फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थीं। वहीं एक्ट्रेस की आगामी फिल्म की बात करें तो वह जल्दी ही फिल्म श्खाली पीलीश् में नजर आएंगी जिसमें उनके ऑपोजिट ईशान खट्टर नजर आएंगे।

मैंने अनन्या को कभी भी फिल्मों में आने के लिए जोर नहीं दिया

अभिनेता संजय दत्त की तबीयत अचानक बिगड़ी, मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती

मशहूर बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की शनिवार रात को अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती किया गया है। 61 साल के संजय दत्त को ऑक्सीजन लेवल कम होने और बेचैनी होने के कारण अस्पताल में लाया गया। जहां उनका कोविड एंटीजन टेस्ट किया गया, जो निगेटिव निकला। फिलहाल उन्हें आईसीयी के नॉन कोविड वार्ड में भर्ती किया गया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि संजय दत्त की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार उनके कुछ जरूरी मेडिकल टेस्ट किए जा रहे हैं जिससे पता चले कि अचानक उनका ऑक्सीजन लेवल गिर कैसे गया। फिलहाल अभिनेता संजय दत्त इस समय अपने परिवार से दूर रह रहे हैं। लॉकडाउन के वक्त से ही पत्नी मान्यता और दोनों बच्चें दुबई हैं और वहां से वापस नहीं आ पा रहे हैं। बता दें, संजय दत्त सोशल मीडिया पर इस समय काफी एक्टिव हैं। बीते दिन कोझीकोड में हुए विमान हादसे पर दुख व्यक्त किया था। संजय ने ट्वीट कर कहा, एयरइंडिया फ्लाइट की ट्रेजेडी के बारे में सुन कर बहुत दुख हुआ।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।